राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 02 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-164 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वतंत्रता दिवस पर भाषण के लिए पीएम मोदी ने लोगों से मांगे सुझाव

नागरिक अपने विचार माय जीओवी और नमो ऐप के ओपन फोरम करें साझा

नई दिल्ली । देश भर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लेकर देशवासियों से संवाद किया और स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए सुझाव मांगे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर लोगों से आग्रह किया है कि वे इस साल के स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए अपने सुझाव और विचार साझा करें। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अपने विचार माय जीओवी और नमो ऐप के ओपन फोरम के जरिए साझा करें। पीएम मोदी ने लिखा- जैसे-जैसे हम इस साल के स्वतंत्रता दिवस की ओर बढ़ रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों से सुनने के लिए उत्सुक हूं। आप इस साल के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किन विषयों या विचारों को प्रतिबिंबित होते देखना चाहेंगे? पीएम मोदी के वेबसाइट पर भी सुझाव मांगे गए हैं। नरेंद्र मोदी डॉट इन वेबसाइट पर लिखा गया, आपके विचार पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण का हिस्सा बन सकते हैं। अभी साझा करें। भारत की आजादी के 79 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आपके पास पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए बहुमूल्य विचार और सुझाव साझा करने का मौका है। कमेंट सेक्शन में अपने विचार साझा करें। हो सकता है कि पीएम इनमें से कुछ को अपने भाषण में शामिल करें। बता दें पीएम मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से दिए जाने वाले अपने भाषण के लिए देश के लोगों को अपने मत, विचार और सुझाव शेयर करने के लिए आमंत्रित करते हैं। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर भी पीएम मोदी ने देशवासियों से सुझाव मांगे थे। उन्होंने उन सुझावों का जिक्र अपने भाषण में भी किया था। उन्होंने कहा था कि विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है। देश के कोटि-कोटि जनों के सुझाव लिए जा रहे हैं और हमने देशवासियों से सुझाव मांगे और मुझे प्रसन्नता है कि मेरे देश के करोड़ों लोगों ने विकसित भारत 2047 के लिए अनगिनत सुझाव दिए हैं। हर देशवासी का सपना उसमें प्रतिबिंबित हो रहा है, हर देशवासी का संकल्प उसमें झलकता है। युवा हो, बुजुर्ग हो, गांव के लोग हों, किसान हों, दलित हों, आदिवासी हों, पहाड़ों में रहने वाले लोग हों, जंगल में रहने वाले लोग हों, शहरों में रहने वाले हों, हर किसी ने 2047 में जब देश आजादी का 100 साल मनाएगा, तब तक विकसित भारत के लिए अनमोल सुझाव दिए हैं।

रिंकू सिंह से ब्रांड एंबेसडर पद छीना

लखनऊ (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह से चुनाव आयोग ने ब्रांड एंबेसडर पद छीन लिया है। वह मतदाता जागरूकता अभियान से जुड़े थे। आयोग ने उनसे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। इस बारे में जिला प्रशासन को पत्र भी लिखा गया है। रिंकू की जौनपुर की मछली शहर से सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई हुई थी। इसे कारण बताते हुए चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने कहा- रिंकू की सपा सांसद के साथ सगाई से राजनीतिक पक्षपात हो सकता है। अब उनका जुड़ाव किसी राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ माना जा सकता है। इसलिए सभी सामग्री जैसे- पोस्टर, बैनर, वीडियो और डिजिटल विज्ञापन से रिंकू सिंह की तस्वीरें और नाम हटाए जाएं।

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा: शाहरुख और विक्रांत मैसी बेस्ट एक्टर, रानी मुखर्जी बेस्ट एक्ट्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2023 के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार शाम को की गई। देश भर की फिल्मों, अभिनेताओं और तकनीशियनों को सिनेमा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शाहरुख खान (फिल्म 'जवान') और विक्रांत मैसी (फिल्म '12वीं फेल') को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार रानी मुखर्जी को 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए मिला। '12वीं फेल' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। उत्पल दत्ता (असमिया) को सिनेमा, विशेषकर असमिया सिनेमा पर उनके महत्वपूर्ण लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक का पुरस्कार मिला। गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार 'गॉड वल्चर एंड ह्यूमन' को मिला। इसका निर्देशन ऋषिराज अग्रवाल ने किया है और निर्माण स्टूडियो लीची और डॉ. राजेश चांदवानी ने किया है। फ्लावरिंग मैन (हिंदी) को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। इसका निर्देशन सौम्यजीत घोष दस्तीदार ने किया है और इसका निर्माण भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान ने किया है। एमआर राजकृष्णन को एनिमल (री-रिकॉर्डिंग मिक्सर) के लिए विशेष रूप से उल्लेखित किया गया है। इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे और इसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया था। फ़ीचर फ़िल्मों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फ़िल्म का पुरस्कार 'अ जैकफूट मिस्ट्री' को मिला। यशोवर्धन मिश्रा द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उपलब्ध है। वैभवी मर्चेंट को आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार मिला।

अब 7 अगस्त से लगेगा ट्रम्प का टैरिफ

25 प्रतिशत टैरिफ लागू होना था, इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान महंगे होंगे, भारत सरकार बोली किसानों का हित सर्वोपरि... दबाव में नहीं करेंगे समझौता,

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर आज से लगने वाला 25 प्रतिशत टैरिफ अब 7 अगस्त से लगेगा। व्हाइट हाउस ने 1 अगस्त की डेडलाइन खत्म होने से ठीक पहले ही इसका ऐलान किया। कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन को नए शुल्क वसूलने के लिए जरूरी बदलाव करने का समय मिल सके, इस कारण टैरिफ डेडलाइन को बढ़ाया गया है।उधर, ट्रंप के टैरिफ को लेकर एक सरकारी अधिकारी का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ का भारत पर कुछ खास प्रभाव पड़ने वाला नहीं है. भारत द्वारा किसानों, डेयरी और एमएसएमई के साथ समझौता करने की कोई संभावना नहीं है. संशोधित फसलों के आयात को लेकर अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है.

ट्रम्प ने रूस से व्यापार के चलते भारत पर पेनल्टी लगाने की भी बात कही थी। हालांकि उन्होंने ये साफ नहीं किया कि ये पेनल्टी क्या होगी या कितनी होगी। अभी औसतन करीब 10 प्रतिशत टैरिफ लगता है। 25 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत से जाने वाले सामान, जैसे दवाइयां, कपड़े और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय प्रोडक्ट्स की मांग कम हो सकती है। भारत का अमेरिका के साथ ट्रेड सरप्लस (निर्यात से होने वाला फायदा) भी कम हो सकता है।

भारत दोस्त लेकिन उसका टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा

भारत हमारा दोस्त है, लेकिन हमने पिछले कई सालों में उनके साथ ज्यादा कारोबार नहीं किया, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं, शायद दुनिया में सबसे ज्यादा। साथ ही उनके यहां गैर-आर्थिक व्यापारिक रुकावटें भी बहुत सख्त और परेशान करने वाली हैं। इसके अलावा, भारत हमेशा से अपनी ज्यादातर सैन्य चीजें रूस से खरीदता है और चीन के साथ रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। ये सब तब हो रहा है, जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में लोगों को मारना बंद करे। ये सब ठीक नहीं है! इसलिए, भारत को 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ और ऊपर बताई गई वजह (रूस से व्यापार) से पेनल्टी भी देनी होगी। ध्यान देने के लिए शुक्रिया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन!

एग्रीकल्चर, डेयरी पर अमेरिका की नजर

ट्रंप टैरिफ के प्रभाव से परिचित सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत किसानों का हित सर्वोपरि रख रहा है. इससे बढ़कर भारत के

लिए अभी कुछ भी नहीं है. भारत अमेरिका के लिए एग्रीकल्चर, डेयरी और एमएसएमई के साथ समझौता नहीं करने वाला है. सीधे शब्दों में कहें तो अमेरिका जिन सेक्टर्स पर टैरिफ कम करने के लिए बार-बार भारत पर टैरिया या अन्य प्रतिबंधों से दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, उस सेक्टर्स के लिए भारत किसी भी मार्केट खोलने को तैयार नहीं है. अधिकारी ने यह भी कहा कि 25 प्रतिशत टैरिफ का मामूली प्रभाव है और यह प्रभाव भारतीय बाजारों पर बिल्कुल भी चिंताजनक नहीं है। अमेरिका भारत से चाहता है कि डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए टैरिफ कम किया जाए. ताकि अमेरिका के लिए मार्केट ओपेन हो सके. भारत इसपर बिल्कुल भी सहमत नहीं दिख रहा है. वहीं एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स पर भी टैरिफ खत्म करने या कम करने को लेकर भी अमेरिका भारत पर दबाव बढ़ा रहा है. ताकि भारत में अमेरिकी एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स की एंट्री हो सके.

भारत क्यों नहीं करना चाहता समझौता

कृषि और डेयरी सेक्टर को लेकर प्रमुख सेक्टर मानता है, जिसके तहत अगर वह समझौता करता है तो भारत की इकोनॉमी के लिए खतरा होगा. जिस कारण भारत एग्रीकल्चर और डेयरी पर दूसरे देशों से इम्पोर्ट पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, ताकि घरेलू चीजों की डिमांड बनी रहे और विदेशी प्रोडक्ट्स हावी नहीं हो पाएं. अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसे आज से लागू करने वाला था, लेकिन अब इसकी डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया है. अब इसे 1 सप्ताह के लिए टाल दिया गया है. यानी अगली डेडलाइन 7 अगस्त कर दी गई है.

ट्रंप के टैरिफ अटैक के बीच भारत ने एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से किया साफ इंकार

भारत ने इसकी जानकारी अमेरिका को दे दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है, इसके बाद ट्रंप की घोषणा का कारोबार पर असर पड़ने की पूरी संभावना है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मसले पर बातचीत की मंशा भी जाहिर की है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से इंकार किया है। नई दिल्ली ने दो टूक कहा कि वह ज?वाइंट वेंचर के तौर पर पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान डेवपल करना चाहता है। बता दें कि भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस ने भी पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट मुहैय कराने का ऑफर दिया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार रूस ने तकनीक देन और संयुक्त रूप से पांचवीं पीढ़ी का विमान डेवलप करने का प्रस?ताव दिया है। एफ-35 फाइटर जेट पर भारत के रुख के बाद रूस का एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट डील में फ्रंट रनर हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट खरीदने को लेकर इच्छुक नहीं है। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस बाबत भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि भारत ज?वाइंट और टेक?नोलॉजी ट्रांसफर के आधार पर डिफेंस डील करना चाहता है। बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान तकनीकी दिक?तों के चलते केरल में तकरीबन 37 दिनों तक अटका रहा। इसके अलावा कैलिफोर्निया में एफ-35 जेट क्रैश भी हुआ है. इन दोनों घटनाओं से एफ-35 की काबिलियत पर गंभीर सवाल उठे हैं।

यमन का निमिषा प्रिया मामला संवेदनशील, एमईए ने कहा- भारत सरकार हर संभव मदद कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को पुष्टि की कि यमन के अधिकारियों ने केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सज़ा स्थगित कर दी है, जिसे 2017 में यमन में हुए एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। साथ ही, भारत ने उन मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि उसकी मौत की सज़ा रद्द कर दी गई है। सरकार ने इस मामले से जुड़ी अपुष्ट रिपोर्टों और गलत सूचनाओं के प्रति भी जनता को आगाह किया। जायसवाल ने कहा कि सरकार निमिषा और उसके परिवार के साथ नियमित संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज दिल्ली में एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप, यमन के स्थानीय अधिकारियों ने उसकी सज़ा की तामील स्थगित कर दी है। हम मामले पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हम इस मुद्दे पर कुछ मित्र देशों की सरकारों के संपर्क में भी हैं। ऐसी रिपोर्ट्स जो दावा करती हैं कि उसकी मौत की सज़ा रद्द कर दी गई है और उसकी रिहाई के लिए समझौता हो गया है, गलत हैं। यह एक संवेदनशील मामला है और हम सभी पक्षों से गलत सूचनाओं से दूर रहने का आग्रह करते हैं।भारत के कंठपुरम एपी के ग्रैंड मुफ्ती अबुबकर मुसलियार के कार्यालय ने दावा किया कि निमिषा प्रिया की मौत की सज़ा आधिकारिक रूप से रद्द कर दी गई है। नर्स की मौत की सज़ा को पहले अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। केरल के पलक्कड़ ज़िले की रहने वाली 38 वर्षीय निमिषा प्रिया बेहतर रोज़गार की संभावनाओं के लिए 2008 में यमन चली गई थीं। एक प्रशिक्षित नर्स होने के नाते, उन्होंने बाद में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ व्यावसायिक साझेदारी की और राजधानी सना में मिलकर एक क्लिनिक चलाया।

बिहार एसआईआर को लेकर संसद में भी हंगामा, राहुल गांधी ने कहा...

अफसर चोरी करा रहे, हम छोड़ेंगे नहीं, चाहें वे रिटायर हो जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का विपक्ष द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद में भी काफी हंगामा जारी है। विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। विपक्ष इस प्रक्रिया को वोटों की चोरी बताकर खारिज कर रहा है। वहीं चुनाव आयोग इसे अवैध मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाने की कवायद बता रहा है। फिलहाल इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी में शामिल है और हमारे पास इसके सबूत भी हैं। चुनाव आयोग ऐसे निराधार आरोपों को नजरअंदाज करता है। लगातार दी जा रही धमकियों के बावजूद, हम सभी चुनाव अधिकारियों से कहना चाहते हैं कि वे पहले की तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करें। गैरजिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करें।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले 9 दिनों में चुनाव आयोग के अधिकारियों को दूसरी बार धमकाया है। शुक्रवार को संसद से बाहर निकलने पर राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा है। हमारे पास एटम बम है। जब फटेगा तो चुनाव आयोग बचेगा नहीं। चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। आप हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहे हैं, जो देशद्रोह है। आप कहीं भी हों, चाहे आप रिटायर ही क्यों न हो जाएं, हम आपको ढूंढ निकालेंगे। इससे पहले 24 जुलाई को राहुल ने कहा था कि मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।

हमारे पास एटम बम

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। जल्द ही पूरे देश को इसके बारे में पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। हमें मध्य प्रदेश, लोकसभा चुनाव में हमें शक था और महाराष्ट्र में वो थोड़ा आगे गया। एक करोड़ मतदाता जोड़े गए थे।

इसके बाद हमने अपनी ही जांच की और उस जांच में जो मिला है, वो एटम बम है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं पूरी गंभीरता से बोल रहा हूं कि ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, हम आपको नहीं छोड़ेंगे। आप भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं और यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप कहीं भी हों, भले ही आप सेवानिवृत्त हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना यौन शोषण और बलात्कार के मामले में दोषी करार, सजा पर फैसला आज

-फैसला आते ही कोर्ट में ही फूट-फूटकर रोया

बेंगलुरु (एजेंसी)। जेडी(एस) के नेता और कर्नाटक के हासन लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। महिलाओं के साथ यौन शोषण और बलात्कार के मामले में उन्हें दोषी करार दिया गया है। जब कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया, तब प्रज्वल खुद को रोक नहीं सके और कोर्ट में ही फूट-फूटकर रोने लगे। कोर्ट से बाहर निकलते वक्त भी उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। कोर्ट में मौजूद लोगों ने बताया कि फैसला सुनकर वे बिल्कुल टूट गए और चुपचाप बाहर निकल गए। अभी सिर्फ यह तय हुआ है कि प्रज्वल रेवन्ना मामले में दोषी हैं। कोर्ट ने कहा है कि सजा का ऐलान 2 अगस्त को होगा।

बात दें कि पूर्व सांसद और देवेगौड़ा परिवार के पोते प्रज्वल बीते 14 महीने से जेल में बंद हैं। उन पर एक नहीं, कई महिलाओं के साथ यौन शोषण और बलात्कार के आरोप लगे थे। मामला तब तूल पकड़ा जब सोशल मीडिया पर उनके सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो वायरल हो गए थे। इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज हुए और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

अदालत ने इस केस में 26 गवाहों से पूछताछ की है। सभी के बयान, सबूत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने साफ कहा कि प्रज्वल रेवन्ना बलात्कार के मामले में दोषी हैं। इस केस की खास बात यह रही कि केवल 14 महीने के अंदर ही पूरा ट्रायल खत्म हुआ और कोर्ट ने फैसला सुना दिया। आमतौर पर इस तरह के मामलों में सुनवाई सालों खिंचती है, लेकिन इस केस में बेहद तेजी

से कार्रवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रज्वल के वकीलों ने कई बार कोशिश की कि उन्हें बेल मिल जाए, लेकिन कोर्ट ने हर बार ये कहकर मना कर दिया। कोर्ट का कहना था कि वे प्रभावशाली परिवार से हैं और केस को प्रभावित कर सकते हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

17 हजार करोड़ के घोटाला मामले में ईडी ने अनिल अंबानी को किया तलब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उद्योगपति अनिल अंबानी 17 हजार करोड़ के घोटाले के आरोपों से घिरे हैं। इस मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है। यह घोटाला करीब 17,000 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अनिल अंबानी को 5 अगस्त को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा गया है। इससे पहले, ईडी ने पिछले हफ्ते मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत बड़ी कार्रवाई की थी। एजेंसी ने मुंबई में 35 अलग-अलग जगहों पर छापे मारे थे, जो अनिल अंबानी कंपनी से जुड़ी 50 कंपनियों और 25 लोगों से संबंधित थे। इन छापों का मकसद घोटाले से जुड़े सबूत जुटाना था।

नागरिकता साबित करने में फेल हो रहे आधार और पैन कार्ड, उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सहित देश के कई हिस्सों में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के दौरान सामने आ रही एक बड़ी सच्चाई ने नागरिकता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमतौर पर पहचान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दस्तावेज, जैसे कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड आदि दरअसल कानूनी रूप से नागरिकता साबित नहीं करते हैं।

यह खुलासा तब हुआ जब राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या बरकरार रखने के लिए नागरिकता के वैध प्रमाण जरूरी हैं। इस पर कई लोगों ने सवाल उठाए कि जब आधार और वोटर आईडी रोजमर्रा के जीवन में जरूरी हैं, तो क्या वे भारतीय नागरिकता के लिए काफी नहीं?

विशेषज्ञों के अनुसार, आधार कार्ड सिर्फ एक पहचान संख्या है, जो देश में रह रहे किसी भी निवासी को जारी हो सकती है। यह भारत सरकार की नागरिकता की गारंटी नहीं देता। इसी तरह पैन कार्ड करदाता के लिए होता है, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी। वोटर आईडी पहचान के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन यह भी फर्जीवाड़े की संभावना के कारण नागरिकता का पुख्ता प्रमाण नहीं माना जाता।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर फिर नागरिकता कैसे साबित हो सकती है? इसके लिए पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र (विशेष परिस्थितियों में), नागरिकता प्रमाण पत्र या स्थायी निवास प्रमाण पत्र (डोमिसाइल) जैसे दस्तावेजों को प्राथमिकता दी जाती है। कुछ मामलों में स्कूली प्रमाणपत्र भी मान्य हो सकते हैं, यदि उनमें जन्मस्थान और अभिभावकों की नागरिकता दर्ज हो।

#Boycott Jio जियो का बहिष्कार! हाथी के स्थानांतरण से कोल्हापुर के नंदिनी गांव में उबाल

-वायरल हुई कॉल रिकॉर्डिंग — ये आपके मालिक को पहला झटका है

- 10 हजार लोगों ने छोड़ा जिओ

कोल्हापुर (एजेंसी)। कोल्हापुर जिले के नंदिनी गांव में भारी जनाक्रोश देखने को मिला है, जहां 36 वर्षीय मादा हाथी माधुरी को गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा ट्रस्ट में स्थानांतरित किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में रोष फैल गया है।

यह स्थानांतरण सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद हुआ, जिसमें स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य मठ की याचिका को खारिज कर दिया गया। मठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हाई पावर कमेटी के हाथी के स्थानांतरण के निर्णय को वैध ठहराया गया था।

हाथी माधुरी को विदा करते समय गांव की सड़कों पर 10,000 से अधिक लोग नम आंखों से विदा देने पहुंचे। हालांकि भावनात्मक माहौल कुछ ही देर में उग्रता में बदल गया, जब कुछ लोगों ने वाहनों पर पथराव किया और जानवरों की एम्बुलेंस तक को नहीं बख्शा।

बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस निला गोखले ने कहा कि पशु के जीवन की गुणवत्ता, धार्मिक उपयोग से अधिक महत्वपूर्ण है। पेटा इंडिया की शिकायत के बाद हाई पावर कमेटी की जांच में यह पाया गया कि हाथी की स्वास्थ्य स्थिति बेहद खराब, उसके शरीर पर अल्सर थे और देखरेख में भारी लापरवाही बरती जा रही थी। दूसरी ओर मठ का दावा है कि हाथी 1992 से उनके पास थी और धार्मिक आयोजनों का अहम हिस्सा रही है। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि 'परंपरा के नाम पर पशु की पीड़ा को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।'

हाथी माधुरी का मामला पशु अधिकार, धार्मिक आस्था और कॉर्पोरेट के बीच एक नया मोर्चा खोल चुका है। कोर्ट के आदेशों और पशु कल्याण की दिशा में उठाए गए इस कदम का गांव वालों की भावनाओं पर गहरा असर पड़ा है। अब देखना यह है कि यह बॉयकॉट जियो जैसा अनोखा विरोध किस दिशा में जाता है।

-बायकॉट जिओ (#Boycott Jio)

इस घटनाक्रम के बाद नंदिनी गांव में 'बॉयकॉट जियो' नामक अभियान शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, 10,000 से अधिक लोगों ने जियो से अपने सिम पोर्ट करवा लिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वंतारा प्रोजेक्ट रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़ा है, जो मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पहल है।

- वायरल हुई रिकॉर्डिंग

एक वायरल कॉल रिकॉर्डिंग में एक ग्रामीण जियो कस्टमर केयर से कहता सुनाई देता है - हमारे गांव की हाथी आपकी कंपनी के मालिक लेकर चले गए हैं। अब गांव के लोग जियो का बहिष्कार कर रहे हैं। यह आपके मालिक को पहला झटका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप की टैरिफ दबाव नीति क़े आगे भारत झुकेगा नहीं - संसद में वाणिज्यमंत्री की हुंकार राष्ट्रहित सर्वोपरि

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया)

वैश्विक स्तरपर विश्वबैंक आईएमएफ सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एजेंसीयों ने हर बार अपनी रिपोर्ट्स में भारत को विश्व की सबसे अधिक उभरती हुई अर्थव्यवस्था बताया है,तथा भारत की आंतरिक एजेंसियां भी हर बार सकारात्मक भारत की रिपोर्टिंग देती है।अभी पासपोर्ट सूचकांक में भी भारत ने छलांग लगाई है, परंतु फिर भी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 25 पेर्सेंट टैरिफ़ प्लस पेनल्टी टैरिफ को 1 अगस्त 2025 से लागू कर देने के बावजूद बयान देना कि भारत व सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था दोनों मिलकर अपनी डेड इकोनॉमी की ओर नीचे गिर सकते हैं। इस तरह का बयान सोचनीय है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,चूँकि भारत किसी भी बात पर अमेरिका के टैरिफ पैतरेबाजी से डील में उनकी मर्जी से फिट नहीं हो रहा है, तथा अन्य बड़े-बड़े देशों के उनके सामने झुकने के बावजूद भारत किसी अड्सट्टे में नहीं आ रहा है, और ना ही, किसी टैरिफ धमकी के दबाव में आ रहा है, बल्कि दो कदम आगे बढ़कर दिनांक 31 जुलाई 2025 को देर शाम तक चली ससंद कार्यवाही में वाणिज्य मंत्री महोदय ने साफ-साफ कह दिया कि उनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है, हम उसको ध्यान में रखते हुए निर्णय लेंगे। बता दें वैसे भी भारत अमेरिका से कम समान बुलाता है, तथा भेजता अधिक है, तो उन सेक्टर में जैसे फार्मा, प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक, कृषि सहित कुछ क्षेत्रों पर फर्क पड़ने की संभावना जरूर है, परंतु इन क्षेत्रों को सपोर्ट करने भारत की कुछ नीतियां रणनीतियां बनाने पर शायद कार्य शुरू हो चुका होगा। परंतु संसद परिसर में 31 जुलाई 2025 को ही विपक्ष के नेता का बयान देकर ट्रंप द्वारा कहे गए शब्दों क़ा सपोर्ट करते देखे गए जो उचित नहीं है, क्योंकि फैक्ट्स बता रहे हैं कि 2014 में इकोनॉमी 11वे नंबर से 2025 में चौथे नंबर तक पहुंच चुकी है।जीडीपी 2024- 25 में 6.5 पेर्सेंट यूपीडी ट्रांजेक्शन 17200 करोड़ और महंगाई पर 2004-2014 में 8.2 पेर्सेंट से 2015-2025 में 5 पेर्सेंट तक लाना यह आंकड़े दिखा रहे हैं कि वाकई विश्व बैंक तथा आईएमएफ का आंकलन सही है, वाकई यह बयान एक डील की पैतरेबाजी हो सकती है। परंतु भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ चुका है, व अमेरिका की दबाव नीति में आने की संभावना कम है,इसलिए आज हममीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप की टैरिफ दबाव नीति से भारत झुकेगा नहीं, संसद में वाणिज्यमंत्री की हुंकार राष्ट्र हित सर्वोपरि।

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारतीय इकोनॉमी को डेड कहना व इसके एनकाउंटर में हमारे तथ्यों की करें तो,ट्रंप का यह पोस्ट भारत पर 25 फीसदी टैरिफ ऐलान के बाद आया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या-क्या करता है, लेकिन वे दोनों मिलकर अपनी डेड इकोनॉमी को और नीचे गिरा सकते हैं। अमेरिकी एक्सपर्ट डेलरिम्पल ने गुरुवार को कहा कि वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था डेड होने से कोसों दूर है,बल्कि पिछले साल अमेरिका की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ी है और इस साल अमेरिका की तुलना में तीन गुना तेजी से बढ़ने का अनुमान है, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के नए वर्ल्ड इकोनॉमिक आंकड़ा डेलरिम्पल की बातों को सपोर्ट करता है।आईएमफ के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 दोनों में 6.4 पेर्सेंट की दर से बढ़ने का अनुमान है,जबकि अमेरिका की इकोनॉमी ग्रोथ 1.9 पेर्सेंट और 2 पेर्सेंट रहने का अनुमान है। कैलेंडर वर्ष के दौरान भारत के 2025 में 6.7 पेर्सेंट की ग्रोथ होने का अनुमान है। आईएमफ के अनुसंधान विभाग के प्रमुख डेनिज इगन ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि वास्तव में हमारी ग्रोथ दर काफी स्थिर है। संशोधित भारतीय अनुमानों में अप्रैल के अपडेट की तुलना में 2025 के लिए 0.2 प्रतिशत अंकों की ग्रोथ और 2026 के लिए 0.1 प्रतिशत अंकों की ग्रोथ दर्ज की गई है। इसके विपरीत ग लोबल अर्थव्यवस था के 2025 के दौरान 3 पेर्सेंट की रेट से बढ़ने का अनुमान है, जबकि अमेरिका समेत विकसित अर्थव्यवस थाओं की ग्रोथ रेट 2 फीसदी से नीचे रहने का अनुमान है,चीन की ग्रोथ रेट 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है। गौरतलब है कि बुधवार को ट्रंप ने भारत से आयात पर आने वाली सभी वस्तुओ पर 25 पर्सेंट टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, साथ ही रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद पर नराजगी जाहिर करते हुए जुर्माना लागने की बात कही, ट्रंप ने कहा, भारत में किसी भी देश की तुलना में सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार अवरोध हैं. उन्होंने भारत के टैरिफ को दुनियाँ में सबसे ज्यादा बताया है।

साथियों बात अगर हम टैरिफ़ व डेड इकोनामी का मुद्दा 31 जुलाई 2025 को संसद में उठने व वाणिज्य मंत्री द्वारा देर शाम इसपर जवाब देने की करें तो,अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ का मुद्दा गुरुवार को संसद में उठा, लोकसभा में हंगामे के बीच वाणिज्य मंत्री ने सदन से अमेरिका को जवाब दिया, उन्होंने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ के असर पर सरकार नजर रखे हुए है, किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों समेत उद्योग जगत के सभी हितधारकों के कल्याण पर सरकार की नजर है, इसके लिए जो भी जरूरी होगा, कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत मात्र एक दशक से भी कम समय में दुनिया की सबसे तेजी बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। हम अपने रिफॉर्म, किसानों, एमएसएमई और उद्यमियों की कड़ी मेहनत से 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से टॉप-5 में आ गए हैं, हम कुछ ही सालों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, आज अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और अर्थशास्त्री भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक ब्राइट स्पॉट के रूप में देखते हैं। भारत वैश्विक विकास में लगभग 16 पर्सेंट का विकास दे रहा है।उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2 अप्रैल 2025 को पारस्परिक टैरिफ पर एक एग्जिक्यूटिव ऑर्डर जारी किया था, इसमें व्यापारिक साझेदारों से आयात पर 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक एडिशनल ड्यूटी लगाने की बात कही गई थी, 10 पर्सेंट की बेसलाइन ड्यूटी 5 अप्रैल 2025 से लागू हो गई। भारत पर कुल 26 पर्सेंट टैरिफ की घोषणा की गई थी।यह टैरिफ 9 अप्रैल से प्रभावी होना था, लेकिन 10 अप्रैल को इसे 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया, बाद में ये स्थगन 1 अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो टैरिफ की घोषणा की है, सरकार उसके असर का परीक्षण कर रही है, वाणिज्य मंत्रालय सभी स्टेकहोल्डर्स से बात करके इसके असर का आकलन कर रहा है। सरकार सभी पक्षों के कल्याण को सर्वोच्च महत्व देती है। राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने के लिए हम आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका ने मार्च 2025 में एक न्यायपूर्ण, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते बीटीए के लिए बातचीत शुरू की थी, इसका टारगेट अक्टूबर- नवंबर 2025 से समझौते के पहले चरण को पूरा करना था। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने 29 मार्च 2025 को दिल्ली में आयोजित पहली मीटिंग के दौरान द्विपक्षीय समझौते की बातचीत को अंतिम रूप दिया था, उन्होंने बताया कि नई दिल्ली और वॉशिंगटन में दोनों पक्षों के बीच चार दौर की बैठक हो चुकी हैं, दोनों पक्षों के बीच कई वर्चुअल बैठकें भी हो चुकी हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनियाँ की सबसे तेज़ गति से बढ़ने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड कहना क्या ट्रंप की ट्रेड डील की पैतरेबाज़ी है?ट्रंप की टैरिफ दबाव नीति क़े आगे भारत झुकेगा नहीं- संसद में वाणिज्य मंत्री की हुंकार राष्ट्रहित सर्वोपरि विश्वबैंक आईएमएफ सहित दुनियाँ की दिग्गज रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट में भारत विश्व की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, फिर भी ट्रंप द्वारा मृत अर्थव्यवस्था करार देना सरासर अनुचित है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म-मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है।

भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं चाहिए

(लेखक- संजय गोस्वामी)

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प आज कल टैरीफ को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के बाद ही राष्ट्रपति ट्रम्प के सीजफायर पर संसद में उनका गुणगान नहीं किया गया और बदले की भावना से रूस से भारत के तेल व्यापार का बहाना बनाकर भारत पर 25परसेंट टैरीफ लगाने का ऐलान कर दिया इससे भारत को चिंता करने की बात नहीं है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण पर भी आर्थिक प्रतिबंध इससे कहीं अधिक था लेकिन बाद में आर्थिक प्रतिबन्ध को हटाना पड़ा क्योंकि उससे अमेरिका का ही बाजार बन्द हुआ और नुकसान हुआ अब 25 परसेंट लगावो या 100 परसेंट भारत 140 करोड़ जनता का देश है और लोकतान्त्रिक व्यवस्था है अतः हम क्यों डरे भारत एक कृषि प्रधान देश है और हमारे मजदूर वर्ग कोई चोरी से नहीं मेहनत से रोटी के लिए खून पसीना एक कर देता है चाहे गर्मी हो या बरसात और एक आकड़ा के मुताबिक भारत के गरीब और मध्यम वर्ग के लोग बीजेपी को सबसे ज्यादा वोट देते हैं हमारा देश भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है किसी भी देश की अपनी आतंरिक मामलों पर दखल देना हरगिज पसन्द नहीं करेगा भारत माता में हमारी पुरी आस्था है और हमारे जवान जुझारू हैं हमारी टेक्नोलॉजी को पुरी दुनिया लोहा मानती हैं अतः कभी भी भारत को किसी भी क्षेत्र में कम आंकना गलत होगा टैलेंटेड लोगो की खान है भारत, तभी अमेरिका के लाख मना करने और उसके सेटेलाईट को मात देकर परमाणु परीक्षण किया और देश में कलाम और चिदंबरम जैसे वैज्ञानिक हुए देश उस समय गर्व से एकता का प्रदर्शन किया और अभी भी भारत को इन सब से चिंता नहीं चैलेन्ज की तरह लेना चाहिए। इसी पर एक कहानी याद आती है एक बार गिद्धों का एक बड़ा झुंड उड़ता-उड़ता एक टापू पर जा पहुँचा। वह टापू समुद्र के बीचों-बीच था, जहाँ शांति ही शांति थी। मछलियाँ, मेंढक और छोटे समुद्री जीवों की भरमार थी। वहाँ गिद्धों को भोजन की कोई कमी नहीं थी। और सबसे बड़ी बात—टापू पर कोई शिकारी जानवर नहीं था।

गिद्धों को जैसे स्वर्ग मिल गया हो। आरामदायक जीवन, बिना किसी खतरे के। हर दिन मौज-मस्ती, भरपेट भोजन और चैन की नींद। गिद्धों में अधिकतर युवा थे। उन्होंने वहीं बस जाने का मन बना लिया। वे बोले, 'अब जंगल का क्या काम? वहाँ खतरे हैं, मुश्किलें हैं। हम यहीं रहेंगे, यही हमारा भविष्य है।'

लेकिन उसी झुंड में एक बूढ़ा गिद्ध भी था। उसने वह जंगल देखा था जहाँ जीवन कठिन था, लेकिन सच्चा था। उसने शिकारी जानवरों से जूझना सीखा था, भूख में उड़ना सीखा था, और गिरकर उठना सीखा था।एक दिन बूढ़े गिद्ध ने सभा बुलाई। उसने कहा, 'बेटों, यह टापू तुम्हें मजबूत नहीं बना रहा, यह तुम्हें कमज़ोर कर रहा है। तुम उड़ना भूल चुके हो, पंजे कुंद हो गए हैं, और आँखें आलस की धुंध में धँस चुकी हैं। चलो, लौट चलें जंगल की ओर, जहाँ जीवन कठिन है, लेकिन वो तुम्हें जीवित रहना सिखाता है।'

युवा गिद्ध हँस पड़े। एक ने कहा, 'बाबा, तुम पुरानी सोच के हो। अब जमाना बदल गया है। हमें आराम मिल रहा है, फिर जंगल क्यों लौटें?'

बूढ़े ने बहुत समझाया, लेकिन कोई नहीं माना। वो अकेला ही उड़ गया। समय बीता। कुछ महीने बाद बूढ़े गिद्ध को अपने पुराने साथियों की याद आई। उसने सोचा, 'देखूं, सब कैसे हैं।'' वह वापस टापू पर लौट।पर वहाँ जो उसने देखा, उससे उसकी आँखें भर आईं।

हर ओर गिद्धों की लाशें पड़ी थीं। कुछ घायल गिद्ध तड़प रहे थे। उसने दौड़कर एक घायल गिद्ध से पूछा, 'ये क्या हो गया?'

घायल गिद्ध की आँखों में पश्चाताप था। उसने कहा,

'बाबा, आपके जाने के कुछ दिन बाद एक जहाज आया। जहाज से कुछ शिकारी कुत्ते इस टापू पर छोड़ दिए गए। पहले तो उन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन फिर उन्हें पता चल गया कि हम उड़ नहीं सकते। हमारे पंजे बेकार हो चुके हैं, नाखून कुंद हो चुके हैं। फिर उन्होंने हम पर हमला किया।।। और एक-एक कर मार डाला। हम चाहकर भी भाग नहीं सके। हमें माफ कर दीजिए, हमने आपकी बात नहीं मानी।।।'

बूढ़े गिद्ध ने सिर झुका लिया। वह जानता था, जो होना था, वह हो चुका है।अतः हमें अपने दम पर मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाने की कोशिश में लगे रहना चाहिए भारत आत्मनिर्भर देश है अंग्रेजो को भगाया आजादी में जी रहें हैं हमें किसी देश की धमकी नहीं डरा सकती है।अतः हम खुद ही अपने ताकत और ईमानदारी से मेहनत से उड़ते हैं हमारे पंजे बेकार नहीं हैं, हमारे आदर्श भगवान श्री राम है जिसमें गिद्ध ने भगवान के लिए अपने प्राण भी दे दिए और जटाउ ने तो रावण से सीता माता को रावण से विमान से छुराने के लिए संघर्ष किया और भगवान श्री राम की गोद में अपने प्राण त्याग दिया और उसी के भाई संपाति ने रामेश्वरम के धनुषकोटि से भगवान श्री राम के साथ वानर सेना को देखकर अपने भाई का हाल पूछा और राजा सुग्रीव और सभी वानर सेना सीता माता की खोज में निकलें थे और हताश हो गए थे तभी सम्पाती ने चट्टान के ऊपर से देखकर बता दिया की सीता माता लंका में रावण के अशोकवाटिका में बैठी है और तभी उसने ऐ भी कहा गिद्ध की नजर याने देखने की क्षमता अन्य प्राणियों से काफी अधिक होती है भारत एक ऐसा , देश है जो हजारों वर्षों से युद्ध लड़ता आया, जिसने ज्ञान, बलिदान, तप और त्याग की विरासत पाई थी। लेकिन अब वह टापू के गिद्धों की तरह दूसरे देश के झुण्ड में चलने से अच्छा अपना रास्ता चुने जो आत्मनिर्भर भारत गांधीजी का एक सपना था। भारत के वीर सेना के ऊपर ट्रम्प ने उनकी बहादुरी को बिलकुल दरकिनार कर दिया और अब चाहता है कि मेरा सिक्का भारत में चले ऐ देश के स्वाभिमान का प्रश्न है भारत का एक एक नागरिक अपने मातृभूमि से प्यार करता है सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका महान थी जिसे देश पर गर्व है।भारत आजाद है किसी से डरने की चिंता करना नहीं है मीडिया और विपक्ष को अब देश में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के प्रति रना सकारात्मक होना चाहिए घटना घटी वहाँ कोई सिपाही मौजूद नहीं था और आतंकवादी ने सभी पर्यटक को मार डालें कभी कभी घटना अनजाने में हो जाती है जिसे राज्य सरकार को देखना चाहिए लेकिन उन बीते हुए कल को याद कर किसी पर दोष देकर मीडिया और दूसरे देश में मज़ाक उड़ाते हैं लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद मारे गए पर्यटक को न्याय जरूर मिला जबकी 26/11/2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में केवल आतंकवादी ही मारे गए और कसाब को इतना दिन तक जिन्दा क्यों रखा और यदि बयान देने और सवाल पूछने के बाद आखिर क्या हुआ।

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात् निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

विचार मंथन

जांच एजेंसियों की कार्य प्रणाली और न्यायालय के फैसलों से निराशा

(लेखक- सनत जैन)

मालेगांव ब्लास्ट मामले पर न्यायालय का जो फैसला आया है। उसने भारतीय जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली, न्यायाधीशों के निर्णय, न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। 2006 और 2008 के दो बड़े धमाकों में महाराष्ट्र में हुए जिसमें सैकड़ों निर्दोष मारे गए और घायल हुए। करीब दो दशक की जांच और न्यायालय की 17 साल की कार्यवाही और सुनवाई के बाद नतीजा आरोपियों की रिहाई के रूप में सामने आया है। इस फैसले के बाद सवाल उठता है। घटना के लिए जिम्मेदार अपराधियों को जांच एजेंसियां क्यों नहीं खोज पाई। यह स्थिति न केवल पीड़ितों के न्याय की आशाओं को तोड़ती है। बल्कि जांच एजेंसियों की जांच और उनके कार्य प्रणाली की साख के लिए गहरा आघात है। 2006 में पहले मुस्लिम युवकों को आतंकवादी बताकर जेल भेजा गया। 2008 में साध्वी प्रज्ञा, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित और अन्य पर उग्र हिंदुत्व की साजिश के आरोप में आरोपियों को जेल भेजा। दोनों ही मामलों में एटीएस और बाद में एएनआई जाँच एजेंसी की जांच के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला। दोनों जांच एजेंसियां सबूत और जांच के मामले में न्यायालय में असफल साबित हुई। अदालतों के फैसले मे साफ कहा गया अभियोजन पक्ष ठोस सबूत नहीं दे पाया। सवाल उठता है, क्या यह महज जांच एजेंसियों की पेशेवर विफलता थी या जानबूझकर समय-समय पर राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जांच को कमजोर किया गया है? इस मामले की जाँच पहले महाराष्ट्र एटीएस ने जांच की थी। उसने मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया था। आरोपियों को गिरफ्तार किया था। समय-समय पर न्यायालय मामले की सुनवाई करती रही। इसी बीच केंद्र और राज्य में सत्ता बदली। उसके बाद राजनीतिक समीकरण बदल गए। जब मामला न्यायालय में चल रहा था, तब इसकी जांच एनआईए को दी गई। उसके बाद से ही राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगने लगे। मुख्य आरोपी साध्वी प्रज्ञा भाजपा की सांसद बन गईं। इसके बाद से ही जाँच एजेन्सी एवं न्यायालयीन प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है। पूर्व विशेष लोक अभियोजक रोहिणी सालियान का यह बयान कि एनआईए ने दबाव डालकर रुख नरम करने को कहा, यह संकेत देता है। जांच की निष्पक्षता राजनीति की बलि चढ़ गई। इसका असर न्यायालय की सुनवाई पर पड़ा। देश की शीर्ष जाँच एजेंसियां यदि राजनीति के प्रभाव पर आकर काम करने लगें। तो अपराधियों को पकड़ पाना और उन्हें सजा दिला पाना बहुत मुश्किल है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी नींव संविधान लोकतंत्र और न्यायपालिका का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में अदालतों की भूमिका भी आलोचना से अछूती नहीं रही। यदि जांच में त्रुटियाँ थीं, 20 साल में न्यायालय के सामने कई बार यह मामला पेश हुआ आरोपी गिरफ्तार रहे, उनकी जमानत के आवेदन लगते रहे, जांच एजेंसियां समय पर जांच में क्या मिला है। इससे न्यायालय को अवगत कराती रही। इसके बाद भी न्यायपालिका की भूमिका यदि तमासबीन की तरह रही है। ऐसी स्थिति पर लोग न्यायालय पर कैसे विश्वास करेंगे। न्यायालय ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया ? क्या अदालतें आरोपियों को बरी करने तक सीमित रहेंगी। न्यायालय 17 साल की जिम्मेदारी से कैसे मुक्त हो सकती है। इस पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। न्यायपालिका को संस्थागत आत्ममंथन करने की जरूरत है। जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता, पेशेवर दक्षता और जवाबदेही तय करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका पर है। जांच एजेंसियां यदि राजनीतिक प्रभाव में काम कर रही थी। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए था। एटीएस जांच के बाद जब एनआईए का प्रवेश हुआ था। पहले की जांच और बात की जांच को लेकर भी न्यायालय ने अपने फैसले में ऐसा कुछ नहीं लिखा। जिससे जाँच अधिकारियों की भूमिका तय हो सके। न्यायालयों को केवल फैसले सुनाने तक सीमित नही रहना चाहिए। सबूत गवाह और विफल जांच पर न्यायालय को दोषी अधिकारियों को दंडित करने का भी काम करना होगा। ताकि वह जिम्मेदारी के साथ अपनी जांच को आगे बढ़ा पाएं। राजनीतिक एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप से दूर रहते हुए निष्पक्षता के साथ जांच कार्य करें। महाराष्ट्र की 2 न्यायलयों के फैसलों से 2 विस्फोट में सेकड़ों निर्दोष लोगों की मौत हुई थी। उन अपराधियों को जाँच एजेंसी ओर सरकारें दंडित कराने मे असफल साबित हुई हैं। न्यायालय को अपने फैसले में जाँच एजेन्सी की जिम्मेदारी भी तय करनी चाहिए थी। यदि ऐसा ही चलता रहा तो लोगों का भारतीय संविधान लोकतंत्र कानून व्यवस्था एवं सरकारों के ऊपर से भरोसा उठ जाएगा। कानून के राज को बनाए रखने की जिम्मेदारी अंतिम रूप से न्यायपालिका की है। न्यायपालिका को संरचनात्मक सुधार के लिए पहल करनी चाहिए। वरना, वर्तमान स्थिति को देखते हुए न्याय सपना बनकर रह जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप के टैरिफ अटैक से दुनियाभर के अमीरों की सूची में आई उथल-पुथल

मस्क का अरबपति नंबर वन का ताज खतरे में

अंबानी और अडानी को भी हुआ बहुत नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया के अरबपतियों की सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के बाद काफी उथल-पुथल मच गई है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति गुरुवार को 7.7 अरब डॉलर और कम हो गई। इसके बाद मस्क का अरबपति नंबर वन का ताज खतरे में पड़ गया है। लैरी एलिसन तेजी से मस्क के करीब पहुंच रहे हैं। दूसरी ओर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की टॉप-20 सूची से बाहर हो गए हैं। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं।

मार्क जुकरबर्ग एक ही दिन में 26.8 अरब डॉलर अपने नेटवर्थ में जोड़ लिए। अब इस साल उनकी कमाई 64 अरब डॉलर हो गई है। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और मुकेश अंबानी की संपत्ति 1.22 अरब डॉलर घटकर 99.9 अरब डॉलर रह गई। वहीं, टेस्ला के शेयर गिरने से मस्क 7.70 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। हालांकि, इस साल के टॉप-लूजर भी मस्क हैं। उनकी संपत्ति में 76.5 अरब डॉलर की सेंध लग चुकी है।

इस साल के टॉप गेनर्स में लैरी एलिसन हैं, जिनकी संपत्ति एक ही साल में 112 अरब डॉलर बढ़ी है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक दुनिया के टॉप-10 अमीरों में 8 तकनीकी क्षेत्र से हैं। पहले पर एलन मस्क, जो टेस्ला, स्पेसएक्स, एक्स से हैं। दूसरे पर लैरी एलिसन ओरेकल से हैं। तीसरे पर मार्क जुकरबर्ग (मेटा), चौथे पर जेफ बेजोस (अमेजन), 5वें पर स्टीव बाल्मर (माइक्रोसॉफ्ट), छठे पर लैरी पेज (गूगल-अल्फाबेट), 7वें पर सर्गी ब्रिन (गूगल-अल्फाबेट) और 8वें पायदान पर भी टेक्नोलाजी से जुड़े एनवीडिया के जेनसन हुआंग हैं।

इनके बाद कंज्यूमर सेक्टर से बर्नार्ड अर्नाल्ट और 10वें पर मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट हैं। अब लगता है अरबपतियों के टॉप-10 पोजीशन में सभी पर टेक दिग्गजों का कब्जा हो जाएगा।

मस्क ने की सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ चिप सप्लाई की डील

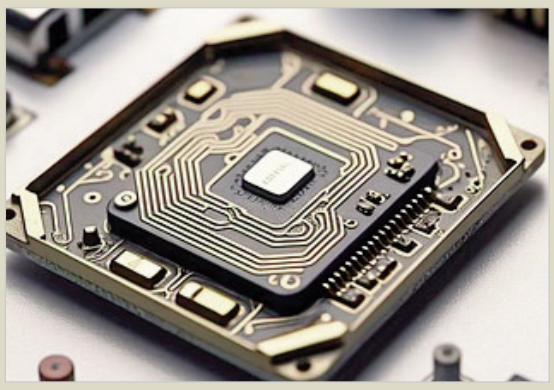

-टेस्ला एआई4, एआई5 और अब एआई6 चिप्स पर कर रही काम

सियोल । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ हाल ही में हुई बड़ी चिप सप्लाई डील का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सैमसंग के चेयरमैन और उनकी टीम के साथ इस डील के सभी अहम पहलुओं पर चर्चा की गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह डील 22.8 ट्रिलियन वॉन यानी करीब 16.5 अरब अमेरिकी डॉलर की हुई है, जिसे सैमसंग ने एक अज्ञात ग्राहक के साथ साइन किया था। अब मस्क ने साफ कर दिया है कि इस डील के पीछे टेस्ला की साझीदार थी। मस्क ने यह जानकारी एक्स पर एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए दी। जब एक यूजर ने कहा कि सैमसंग को शायद समझ नहीं आया कि उन्होंने किस चीज पर साइन किया है तब मस्क ने जवाब दिया, उन्हें पता है। मस्क ने कहा कि मैंने सैमसंग के चेयरमैन और सीनियर लीडरशिप के साथ वीडियो कॉल की थी, जिसमें यह समझाया कि एक सच्ची साझेदारी कैसी होनी चाहिए। हम दोनों कंपनियों की ताकतों का इस्तेमाल कर बेहतरीन परिणाम हासिल करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक एक अन्य यूजर ने कहा कि चिप निर्माण के मामले में सैमसंग टीएसएमसी से पीछे है, तो मस्क ने सैमसंग का बचाव करते हुए कहा कि टीएसएमसी और सैमसंग दोनों ही बेहतरीन कंपनियां हैं। इनके साथ काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इस डील के तहत सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका के टेक्सास में अपने नए सेमीकंडक्टर प्लांट में टेस्ला की अगली पीढ़ी की एआई6 चिप का निर्माण करेगा। मस्क ने कहा कि इस डील का रणनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है, इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। वहीं, सैमसंग के चेयरमैन ली जाए-योंग अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि वे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत और टैरिफ से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा करेंगे। हालांकि उन्होंने अपनी यात्रा का उद्देश्य सार्वजनिक नहीं किया है। सैमसंग की यह डील कंपनी की कुल वार्षिक आय 300.9 ट्रिलियन वॉन का करीब 7.6 फीसदी है। यह सैमसंग द्वारा अब तक हासिल किया गया सबसे बड़ा चिप ऑर्डर है। टेस्ला इन चिप्स का इस्तेमाल अपनी फुल सेल्फ ड्राइविंग तकनीक को और बेहतर बनाने के लिए कर रही है। इसके लिए कंपनी एआई4, एआई5 और अब एआई6 चिप्स पर काम कर रही है।

फोनपे ने ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम किया लांच

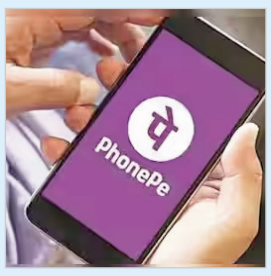

मुंबई । फोनपे ने अपने ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की है। यह एक नई पहल है, इसका उद्देश्य भारत के मर्चेंट इकोसिस्टम को सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से मजबूत करना है। यह प्रोग्राम पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) बिलिंग सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर, वेंडिंग मशीन और सेल्फ-सर्विंग कियोस्क प्रदान करने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स को फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन को उनके ग्राहकों को रेफर करने और कस्टमाइज्ड कमीशन अर्जित करने में सक्षम बनाता है। इस प्रोग्राम में शामिल होने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स (पार्टनर) अपने ग्राहक को बिलिंग और इंटीग्रेटेड पेमेंट का पूरा समाधान दे सकते हैं। यह पहल व्यापारियों को पेमेंट मैनेजमेंट को सरल बनाने में मदद करेगी, जिससे स्टोर का संचालन आसान हो जाएगा। मर्चेंट अपने बिलिंग सॉफ्टवेयर के साथ फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन का इस्तेमाल कुछ ही घंटों में शुरू कर सकते हैं। इस सूट में इंटीग्रेटेड पीओएस डिवाइस, डायनेमिक क्यूआर (जो प्रति ट्रांजेक्शन के लिए विशिष्ट कोड जेनरेट करते हैं), एसएमएस-बेस्ड कलेक्शन के लिए पेमेंट लिंक आदि शामिल हैं। ये सॉल्यूशन मर्चेंट्स को बिलिंग सॉफ्टवेयर के साथ इंटीग्रेट होने पर त्रुटि-रहित और धोखाधड़ी-मुक्त लेनदेन, सुचारू भुगतान संग्रह, सत्यापन और समाधान सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। फार्मेसी, सुपरमार्केट, रेस्टोरेंट, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कई व्यापारियों के लिए यह संयोजन लाभदायक हो सकता है। इस कार्यक्रम में शामिल होने से भागीदारों को कस्टमाइज्ड कमीशन अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

मस्क की स्टारलिंक को इंटरनेट सेवा शुरू करने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे सेटअप का ढांचा भी तैयार कर लिया गया है ताकि सेवाओं की लॉन्चिंग में कोई दिक्कत न आए। यह जानकारी केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दी। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब देश में पहली बार मोबाइल कॉल किए जाने के 30 साल पूरे हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंधिया ने कहा कि स्टारलिंक को यूनिफाइड लाइसेंस मिल गया है। स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट और गेटवे की रूपरेखा तैयार है, जिससे सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का रोलआउट आसानी से हो सके। स्टारलिंक के साथ ही भारती ग्रुप समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस भी अपने सैटकॉम सर्विसेज शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट का इंतजार कर रही है। सिंधिया ने कहा कि पिछले 11 साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की डिजिटल यात्रा ऐतिहासिक रही है। टेलीफोन कनेक्शन अब 1.2 अरब हो गए हैं, जबकि इंटरनेट सब्सक्रिप्शन करीब 286 फीसदी से बढ़कर 97 करोड़ हो गया है।

ब्रॉडबैंड कनेक्शन 2014 के 6 करोड़ से बढ़कर 94.4 करोड़ हो गए यानी 1,450 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। मोबाइल डेटा की कीमतें 96.6 फीसदी घटीं और अब सिर्फ 8.9 प्रति जीबी में डेटा उपलब्ध है, जिससे भारत दुनिया में सबसे सस्ता डेटा

देने वाला देश बन गया है। सिंधिया ने बताया कि बीएसएनएल का रिवाइवल भी बड़ी उपलब्धि है। 18 साल में पहली बार बीएसएनएल ने लगातार दो साल मुनाफा कमाया– वित्त वर्ष 2024-25 में 262 करोड़ और 280 करोड़। 83 हजार से ज्यादा 4जी साइट्स लगाई गईं, जिनमें से 74,000 चालू हैं।

एआई-आधारित मॉनिटरिंग और फाइबर फॉल्ट 12 घंटे में ठीक करने जैसी सुविधाओं ने सेवा को और बेहतर बनाया है। भारत का 5जी रोलआउट भी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। 99.6 फीसदी जिलों में 5जी पहुंच गया है, 4.74 लाख 5जी टावर और 30 करोड़ यूजर्स हैं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा प्रति व्यक्ति 5जी डेटा यूज करने वाला देश बन गया है, भारत 6जी पेटेंट फाइलिंग में भी दुनिया के टॉप 6 देशों में शामिल है।

ग्लोबल स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन भारत में 3 लाख नौकरियां करेगा पैदा

कंपनी 2030 तक भारत में स्थानीय सोर्सिंग को 3 बिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा

नई दिल्ली। ग्लोबल स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन ने भारत में उत्पादन शुरू करने की 25वीं सालगिरह पर एक अहम फैसला लिया है। कंपनी ने कहा है कि डेकाथलॉन का यह फैसला भारतीय निर्माण पर बढ़ते ध्यान को दर्शाता है। वर्तमान में भारत डेकाथलॉन के वैश्विक उत्पादों का 8 फीसदी आपूर्ति करता है। डेकाथलॉन ने ऐलान किया है कि वह 'मेक इन इंडिया' नीति के तहत 2030 तक भारत में अपनी स्थानीय सोर्सिंग को 3 बिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक अपने उत्पादन तंत्र में 3 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करना है। कंपनी का उद्देश्य इसे 15 फीसदी तक बढ़ाना है, जिसमें फुटवियर, फिटनेस उपकरण और एडवांस स्पोर्ट्स वस्त्र जैसी उच्च संभावनाओं वाली श्रेणियों पर जोर दिया जाएगा। डेकाथलॉन अपने 132 भारतीय स्टोर्स के 70 फीसदी से ज्यादा सामान घरेलू स्तर पर स्रोत करता है और 2030 तक इसे 90 फीसदी तक बढ़ाने की उम्मीद करता है। इस उत्पादन नेटवर्क में 113 सुविधाएं, 83 आपूर्तिकर्ता, सात उत्पादन कार्यालय और एक डिजाइन केंद्र शामिल हैं। डेकाथलॉन इंडिया के सीईओ ने कहा कि हमारी गुणवत्ता और निर्माण की गति ने हमें खुदरा बिक्री बढ़ाने और व्यापक 'मेड इन इंडिया' रेंज पेश करने में मदद की है।

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपये हुआ

मुंबई ।

सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं, जिसमें कंपनी का मुनाफा 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपये हो गया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 783 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। इस तिमाही में अंबुजा सीमेंट्स की बिक्री 18.4 मिलियन टन (एमटी) रही है, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। तिमाही ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 1,961 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की मौजूदा क्षमता 104.5 मिलियन टन प्रति वर्ष है, जिसे मार्च 2026 तक बढ़ाकर 118 मिलियन टन प्रति वर्ष करने का लक्ष्य है। कंपनी वित्त वर्ष 2028 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष के इकोसिस्टम की ओर बढ़ रही है। अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ विनोद बहेटी ने नतीजों को एक वाइब्रेंट मूड, गति, पैमाने और स्थिरता की एक परिवर्तनकारी कहानी बताया।

उन्होंने बताया कि कंपनी प्रमुख बाजारों में मूल्य, व्यवसाय-अनुकूल, समाधान-केंद्रित प्रीमियम उत्पादों, पुनर्जीवित आपूर्ति श्रृंखला और बेहतर ब्रांड प्रभाव पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अंबुजा सीमेंट्स वैश्विक स्तर पर 9वीं सबसे बड़ी निर्माण सामग्री समाधान कंपनी है।

कंपनी ने दुनिया के सबसे ऊंचे सिंगल-आर्च चिनाब रेलवे पुल के लिए सीमेंट की आपूर्ति की थी, जो उनकी उत्पाद गुणवत्ता और ब्रांड विश्वास का प्रमाण है। क्रेडाई के साथ साझेदारी के माध्यम से, कंपनी आवास, निर्माण और बुनियादी ढाँचे में एकीकृत, स्मार्ट, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार समाधानों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रही है। अंबुजा सीमेंट्स को वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 7-8 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जिसका समर्थन मजबूत ग्रामीण और शहरी मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च में बढ़ोतरी और आवास एवं रियल एस्टेट

इंपोर्टेड कारों और बाइक्स की कीमतों में भारी गिरावट उम्मीद

नई दिल्ली।

हाल ही में भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) हुआ है। यह एग्रीमेंट भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस समझौते के लागू होने से भारत में इंपोर्टेड लग्जरी कारों और बाइक्स की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। अभी तक भारत में विदेश से लाई गई कारों पर करीब 100 प्रतिशत तक इंपोर्ट ड्यूटी लगती थी, जिससे उनकी कीमतें लगभग दोगुनी हो जाती थीं। लेकिन इस नए एफटीए के तहत कोटा सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके अनुसार सीमित संख्या में वाहनों पर केवल 10 प्रतिशत टैक्स लगेगा। इससे रॉल्स रायस कुलिनन जैसी कारें, जो अभी 12 करोड़ रुपये की आती हैं, केवल 6 करोड़ रुपये में उपलब्ध हो सकती हैं। इसी तरह बेंटले बेंटायेगा की कीमत 6 करोड़ से घटकर 3 करोड़ रुपये तक आ सकती है। इस समझौते से सबसे अधिक फायदा उन ब्रांड्स को होगा जो यूके में बनती हैं और भारत में पहले से मौजूद हैं जैसे जगुआर, लेंड रोवर, मेकलारेन और बेंटले। मेकलारेन की सुपरकार 750एस, जिसकी मौजूदा कीमत 5.91 करोड़ रुपये है, वह भी लगभग 3 करोड़ में मिल सकती है। हालांकि, इसमें जीएसटी, रजिस्ट्रेशन और बीमा जैसे खर्च शामिल नहीं होंगे। बाइक प्रेमियों के लिए भी यह सौदा फायदेमंद है।

आज पहली तारीख....यूपीआई, गैस सिलेंडर, फास्टैग सहित इन सुविधाओं में हो गया बदलाव

नई दिल्ली।

1 अगस्त 2025 से आम लोगों की जेब से जुड़े कई बदलाव हो रहे हैं। इन बदलाव का असर अपनी जैब पर सीधा पड़ने वाला है। जहां भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यूपीआई लेनदेन के प्रतिक्रिया समय को कम करने के लिए 1 अगस्त, 2025 से कुछ बदलाव लागू किए हैं। बैलेंस चेक लिमिट में प्रतिदिन 50 कर दी गई है। ऑटो-पे ट्रांजैक्शन केवल नॉन-पीक आवर (गैर-व्यस्त समय) के दौरान ही प्रोसेस किए जाएंगे। इतना ही नहीं बैंकों को हर लेनदेन के साथ बैलेंस अपडेट भेजना अनिवार्य होगा, ताकि उपयोगकर्ताओं को हर बार मैन्युअल रूप से जांच न करनी पड़े। वहीं 1 अगस्त से कॉमर्शियल एजपीजी सिलेंडर 35 रुपये तक सस्ता हुआ है। हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां सिलेंडर और विमान के ईंधन (एविएशन फ्यूल) के दामों पर फैसला लेती हैं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 1 जुलाई, 2025 से कॉल मनी, मार्केट रेपो और ट्राई-पार्टी रेपो बाजारों के कारोबारी घंटों में विस्तार की घोषणा की थी, जो दो चरणों में प्रभावी होगा। 1 अगस्त, 2025 से, मार्केट रेपो और ट्राई-पार्टी रेपो के लिए कारोबारी घंटे शाम 4:00 बजे तक बढ़ा दिए गए हैं। नया समय सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक है।

इतना ही नहीं 10 जुलाई, 2025 को जारी एनपीसीआई सर्कुलर के अनुसार, 31 अगस्त से उपयोगकर्ताओं को एफडी, शेयर, बॉन्ड, सोना, संपत्ति, व्यक्तिगत/व्यावसायिक ऋण आदि द्वारा समर्थित पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइनों (ऋण/ओवरड्राफ्ट) को यूपीआई से जोड़ने की अनुमति होगी। इस सप्ताह एक बड़ी बैठक होने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 अगस्त तक तय है। इस बैठक में रेपो दर में बदलाव सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की जा सकती हैं। यदि रेपो दर में कमी आती है, तब होम या कार लोन की ईएमआई सस्ती हो सकती है। इसके अलावा अगस्त में एसबीआई कई को-ब्रांडेड कार्डों पर उपलब्ध मुफ्त हवाई दुर्घटना बीमा कवर को बंद कर देगा। केंद्रीय सड़क एंव परिवहन मंत्रालय के द्वारा आज से निजी वाहन मालिकों के लिए एक नया फास्टैग सालाना पास पेश किया जा रहा है। यह वैकल्पिक सुविधा है, जिसके तहत 3,000 देकर या 200 टोल लेनदेन तक या एक साल तक इस पास का उपयोग किया जा सकेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त 2025 को पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त जारी होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 2,000 ट्रांसफर करने वाले है। ये मोदी सरकार की जनप्रिय योजना हैं इसके तहत देशभर के किसानों को 2000 हजार रुपये की किस्त जारी की जाती है।

ट्रस्टियों ने दिखाया भरोसा एन चंद्रशेखरन को फिर सौंप दी कमान....आईपीओ की उम्मीद टूटी

मुंबई।

टाटा संस की कमान फिर से एन चंद्रशेखरन को सौंप दी गई है। उन्हें 5 साल के लिए टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया है। टाटा ट्रस्ट्स में सभी की सहमति के बाद यह फैसला किया गया है। यह फैसला दिखाता है कि टाटा समूह अपने लीडरशीप में स्थिरता को देख रहा है। वहीं, सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों ने टाटा संस को निजी संस्था बनाए रखने पर सहमति जाहिर की है। इसके अलावा शापूरजी पालोनजी ग्रुप के संभावित एक्जिट को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी गई है।

टाटा ट्रस्ट का यह नया फैसला मौजूदा शेयरहोल्डर्स के परिवर्तन के बीच स्थिरता के रास्तों को तलाशता हुआ दिखाता है। बता दें, टाटा संस को निजी बनाए रखने के फैसले ने आईपीओ की उम्मीद लगाकर कर बैठे निवेशकों के लिए बड़ा झटका है। चंद्रशेखरन ने टाटा संस को अक्टूबर 2016 में ज्वाइन किया था। उन्हें जनवरी 2017 में टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनकी अगुवाई में टाटा ग्रुप का रेवन्यू करीब दोगुना हो गया। वहीं, नेट प्रॉफिट तीन गुना बढ़ गया है।

टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की कुल 66 प्रतिशत की है। रिपोर्ट के अनुसार चंद्रशेखरन ने साबित है कि उनके पास पर शानदार रिजल्ट देने की क्षमता है। उनकी लीडरशिप स्थिरता और ग्रोथ दिखाता है। सभी ट्रस्टियों का चंद्रशेखरन पर भरोसा कायम है। उनकी क्षमता से नए बिजनेस में निवेश के जरिए ग्रोथ और तेजी हासिल की जा सकेगी। वहीं, उनकी अगुवाई में टाटा संस एक टाटा ट्रस्ट्स की इच्छा के मुताबिक एक प्राइवेट संस्था बनी रहेगी। हालांकि, चंद्रशेखरन के लिए चुनौतियां कम नहीं होंगी। उन्हें एसपी ग्रुप के निकासी के रास्ते तलाशन होगा। शापूरजी पालोनजी ग्रुप की टाटा में हिस्सेदारी 18.37 प्रतिशत है।

ट्रंप के टैरिफ लगाने से टेंशन में तेल रिफाइनरी कंपनियां, रुस से तेल खरीदना किया बंद

-भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने बीते हफ्ते से कच्चा तेल नहीं किया इंपोर्ट

नई दिल्ली।

टैरिफ को लेकर अमेरिका के दबाव के बीच भारत की कई सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अस्थाई रोक लगा दी है। इनमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और मैंगलोर रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन्होंने रूस से कच्चे तेल खरीदना फिलहाल रोक दिया है। इसके बजाए इन कंपनियों ने तेल खरीद के लिए मिडिल ईस्ट और अफ्रीका का रुख किया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत की इन सरकारी कंपनियों ने बीते हफ्ते से कच्चा तेल इंपोर्ट नहीं किया है। अभी तक इन कंपनियों और सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया है। हालांकि, रिलायंस और नायरा जैसी भारत की निजी तेल रिफाइनरी कंपनियां सालाना सौदे के तहत अभी भी रूस का तेल आयात कर रही हैं। 2022 के बाद से रूस से भारत जिन सस्ती दरों पर तेल खरीद रहा था। उसमें गिरावट आई है।

बता दें ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने 90 से ज्यादा देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया है। भारत पर एक अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रंप भारत पर अतिरिक्त पेनाल्टी भी लगा सकते हैं। बता दें भारत तेल आयात के मामले में दुनिया का तीसरा बड़ा देश है। वह चीन के बाद रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है और कीमतें घटीं हैं। इससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतें आज 98,600 रुपये, जबकि चांदी 1,09,850 रुपये के करीब हैं। आज

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर अनुबंध आज 67 रुपये नीचे आकर 98,702 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 98,769 रुपये था। ।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध आज 118 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,09,854 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,09,973 रुपये था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव तेजी के साथ खुलने के बाद गिर गए। कामेक्स पर सोना 3,342.70 डॉलर प्रति

औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 3,348.60 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.78 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 36.71 डॉलर था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बल्लेबाजों के बाद गेंदबाज हुए फ्लॉप, जैक क्रॉली और बेन डकेट ने भारतीय बॉलर्स की बजाई बैंड

लंदन (एजेंसी)। भारत और इग्लैंड के बीच द ओवल में पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं द ओवल टेस्ट के दूसरे दिन की शुरुआत में ही भारतीय टीम 224 रन पर ढेर हो गई। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजों की बैंड बजा दी है।

जैक क्रॉली और बेन डकेट ने आते ही भारतीय गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया और 7 ओवर में ही टीम का स्कोर फिफ्टी के पार पहुंचा दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम के माथे पर एक कलंक भी लगाया है।

टेस्ट मैचों में भारत के खिलाफ किसी सलामी जोड़ी ने सबसे ज्यादा 50+ साझेदारी का रिकॉर्ड अब सयुंकत रूप से जैक क्रॉल और बेन डकेट के नाम हो गया है। दोनों टेस्ट में अब तक 8 बार ये कारनामा कर चुके हैं।

इससे पहले वेस्टइंडीज की ओपनिंग जोड़ी गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमंड हेन्स ने भीये कारनामा किया था। इस लिस्ट में इंग्लैंड के एलेस्टेयर कुक और एंड्रयू स्ट्रॉस की ओपनिंग जोड़ी भी है। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर, बिल लॉरी और बॉब सिम्पसन भी पहले विकेट के लिए 7-7 बार अर्धशतकीय साझेदारी कर चुके हैं।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट-धोनी और रोहित शर्मा के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

मुंबई (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे।

14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात-साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा।

एमसीए के एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 सालबाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, दलीप ट्रॉफी में इस टीम की करेंगे कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। पश्चिम क्षेत्र चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी दलीप ट्रॉफी मैचों के लिए शार्दुल ठाकुर को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बीकेसी स्थित एमसीए की शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी में आज हुई चयन बैठक के बाद शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई।

टीम में मुंबई के 7 खिलाड़ी, गुजरात के 4, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के 2-2 खिलाड़ी को जगह दी गई हैं। टीम में ठाकुर के अलावा मुंबई के बड़े नामों में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान शामिल हैं। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिली है।

मुंबई क्रिकेट संघ के संजय पाटिल की अध्यक्षता वाली समिति ने सात अतिरिक्त खिलाड़ियों की एक विस्तृत सूची भी जारी की है जिसमें महेश पिठिया, शिवालिक शर्मा, मुकेश चौधरी, सिद्धार्थ देसाई, चिंतन गजा, मुशीर खान और उर्विल पटेल शामिल हैं। टूर्नामेंट 28 अगस्त को दो क्वार्टर फाइनल के साथ शुरू होगा। सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश पाने वाली पश्चिम क्षेत्र की टीम चार सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। फाइनल 11 सितंबर से खेला जाएगा। सभी मैच बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर होंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम इस प्रकार है

शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हरविक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवले, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे और अरजान नागवासवाला।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 14 रनों से हराया

लॉडरहिल, (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने एक ओवर में तीन विकेट लिए जिससे पाकिस्तान ने शानदार वापसी करके वेस्टइंडीज को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 14 रन से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए सैम अयूब के 38 गेंदों पर 57 रन की बदौलत छह विकेट पर 178 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब में अच्छी शुरुआत से बावजूद सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा और तीसरा टी-20 मैच शनिवार और रविवार को लॉडरहिल में ही खेले जाएंगे।

सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (35) और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्य कर रहे 18 वर्षीय

ज्वेल एंड्रयू (35) ने पहले विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करते वेस्टइंडीज को शानदार शुरुआत दिलाई लेकिन अपने पहले तीन ओवरों में 20 रन देने वाले नवाज ने नाटकीय ढंग से मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने 12वें ओवर की शुरुआत में एंड्रयू को आउट किया और फिर चौथी तथा पांचवीं गेंद पर चार्ल्स और गुडाकेश मोती (00) के विकेट चटकाए, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन हो गया।

कप्तान शाई होप (02) ने अगले ओवर में अयूब की फुल गेंद पर कैच थमा दिया। इस तरह से वेस्टइंडीज ने पांच रन पर चार विकेट गंवा दिए। नवाज ने 23 रन देकर तीन जबकि अयूब ने 20 रन देकर दो विकेट लिए। जेसन होल्डर (12 गेंदों पर नाबाद 30 रन) ने चार छक्के लगाए और शमर जोसेफ ने 12 गेंदों पर नाबाद 21 रन बनाए लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। पाकिस्तान की ओर से नवाज के अलावा अयूब ने दो विकेट लिए। वहीं, शाहीन अफरीदी और सूफियान मुकीम को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अयूब के अलावा शाहिबजादा फरहान ने 14 रन, फखर जमां ने 28 रन और हसन नवाज ने 24 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा मोहम्मद नवाज ने नौ रन, कप्तान सलमान आगा ने 11 रन और फहीम अशरफ ने 16 रन बनाए। मोहम्मद हारिस छह रन और कप्तान आगा नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने तीन विकेट लिए, जबकि होल्डर, अकील हुसैन और रोमारियो शेफर्ड को एक-एक विकेट मिला।

इंग्लैंड को लगा झटका, क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर

लंदन (एजेंसी)। अनुभवी इंग्लिश ऑलराउंडर क्रिस वोक्स केनिंग्टन ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इस अनुभवी क्रिकेटर को पहले दिन कंधे में गंभीर चोट लग गई थी, जिसके कारण वह बाकी टेस्ट मैच से बाहर हो गए। वोक्स ओवल टेस्ट के पहले दिन तीसरे सत्र के दौरान चोटिल हुए। गेंद को बाउंड्री लाइन से बाहर जाने से रोकने की कोशिश करते हुए, क्रिस वोक्स अपनी बाईं कोहनी पर गिरकर घायल हो गए। गेंद इतनी जोरदार लगी कि उनके बाएं कंधे में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद इंग्लिश टीम के फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अनुसार,

वोक्स पांचवें टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे और श्रृंखला के अंत में उनकी चोट का आकलन किया जाएगा। वोक्स का भारत के खिलाफ गेंदबाजी में प्रदर्शन बेहद खराब रहा, उन्होंने 9 पारियों में 98 के औसत स्ट्राइक रेट से 11 विकेट लिए। बल्ले से भी उनका प्रदर्शन उतना ही निराशाजनक रहा, उन्होंने 6 पारियों में 10.67 की बेहद खराब औसत से 64 रन बनाए।

ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच की बात करें तो वोक्स ने 14 ओवरों में मामूली सफलता हासिल की और भारत के फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज केएल राहुल का बेशकीमती विकेट लिया जबकि उन्होंने 3.29 की इकॉनमी से 46 रन दिए। वोक्स पिछले कुछ वर्षों से इंग्लिश टेस्ट टीम का अभिन्न अंग रहे हैं। 61 टेस्ट मैचों में इस अनुभवी क्रिकेटर ने 191 विकेट लिए हैं और बल्ले से 2034 रन भी बनाए हैं। हालांकि 36 साल की उम्र को देखते हुए कंधे की यह गंभीर चोट उनके प्रभावशाली टेस्ट करियर पर विराम लगा सकती है।

कैंसर से पीड़ित थे डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क होगन की मौत दिल के दौरे से नहीं बल्कि कैंसर से हुई थी। वहीं पहले कहा गया था कि इस पहलवान की मौत दिल के दौरे से हुई है पर अब जांच रिपोर्ट से साफ हो गया है कि हल्क लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। इस रिपोर्ट के अनुसार 71 साल के हल्क को दिल की धड़कन में लगातार उतार-चढ़ाव आ रहा था पर इसके साथ ही वह सीएलएल कैंसर से भी पीड़ित थे। यह एक प्रकार का कैंसर है जो सफेद रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। होगन ने अपनी बीमारी की बात को इसलिए छुपाया था जिससे कि वह तरह फिट दिखें। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी साल मई में हुई गर्दन की सर्जरी के बाद उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें दिल की समस्या हुई और उनकी मौत हो गयी। होगन की कैंसर की बीमारी का पता चलने पर उनके प्रशंसक हैरान हैं। डब्यलूडब्यलूई ने अपने तीनों शोज में उन्हें श्रद्धांजलि दी। होगन के सम्मान में 10 बेल सेल्यूट का आयोजन किया गया और इस दौरान कई सुपरस्टार्स बेहद दुखी थे। गौरतलब है कि डब्ल्यूडब्लयूई और पेशेवर कुश्ती को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में हल्क की अहम भूमिका रही है।

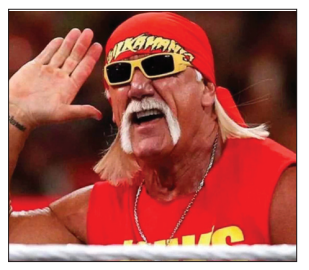

नये लुक में नजर आये धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी हेयर स्टाइल के कारण हमेशा ही सबके आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। वह अपनी हेयर स्टाइल में लगातार बदलाव करते रहते हैं। शुरुआत में वह लंबे बालों के लिए जाने जाते थे। वहीं इसके बाद उन्होंने बालों को छोटा कर दिया। वहीं अब वह एक नये हेयरकट के साथ ही नये लुक में नजर आ रहे हैं। इसमें 44 साल की उम्र के बाद भी वह युवा और स्टाइलिश दिख रहे हैं। नई तस्वीरों में स्पाइक हेयर में धोनी ने लाइट बीयर्ड लुक ट्राई किया है। इस दौरान वह काले रंग की टी शर्ट और आंखों में चश्मा लगाए थे। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। कई लोगों ने इससे लाइक किया है। धोनी की पत्नी साक्षी धोनी ने भी इस पर कमेंट करते हुए लिखा कि आप बहुत यंग लग रहे हैं। तो एक अन्य यूजर ने लिखा कि धोनी सुपरस्टार हैं। धोनी अपनी हेयर स्टाइल से कभी भी समझौता नहीं करते, चाहे आईपीएल का कोई नया सत्र हो या कोई और इवेंट हो, धोनी हर बार एक नई हेयर स्टाइल में नजर आते हैं। अपने करियर की शुरुआती दौर में उन्होंने लंबे बाल रखे थे। इसके बाद उन्होंने अपने बालों को गोल्डन कलर करवाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद धोनी ने अपने बाल दान किए थे और वह गंजे हो गए थे। कभी धोनी छोटे तो कभी लंबे बालों में नजर आये। उनका हर एक लुक प्रशंसकों को खूब पसंद आता है। धोनी आईपीएल 2025 खेलने के बाद से आजकल अपने परिवसर के साथ समय बिता रहे हैं।

हेनरी का कहर, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट में 9 विकेट से हराया

बुलावायो (एजेंसी)। मैट हेनरी (कुल नौ विकेट) और मिचेल सैंटनर (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में कल के दो विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में विलियम ओरूर्क ने निक वेल्च (चार) और विनसेंट मसेकेसा (दो) को आउटकर जिम्बाब्वे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन इसके शॉन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई।

मिचेल सैंटनर ने शॉन विलियम्स को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। शॉन विलियम्स ने 66 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 49 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैट हेनरी ने क्रेग इरविन (53 गेंदों में 22 रन) और सिकंदर रजा (पांच) को अपना शिकार बना लिया। न्यूमैन न्यामहुरी (एक), ब्लेसिंग मुजारबानी (19) और टी तिसगा (27) को आउटकर जिम्बाब्वे को 67.1 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया।

न्यूजीलैंड को जीत के लिए आठ रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने चार विकेट लिए। विलियम ओरूर्क और मैट हेनरी को दो-दो विकेट मिले। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने महज एक ओवर में एक विकेट पर आठ रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से अपना नाम कर लिया। मैट हेनरी को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच% से नवाजा गया। इससे पहले जिम्बाब्वे पहली पारी में 149 रन के स्कोर पर ढेर हो गई थी। मैट हेनरी ने छह और नेथन स्मिथ ने तीन विकेट लिये थे। वहीं न्यूजीलैंड ने पहली पारी में डेवोन कॉन्वे (88) और डैरिल मिचेल (80) की शानदार पारियों की मदद से 307 रनों का स्कोर खड़ा कर 158 रनों की बढ़त ले ली थी।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच, एआईएफएफ ने की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम का इंतजार खत्म हुआ.. और भारतीय फुटबॉल फेडरेशन ने टीम के नए कोच का ऐलान कर दिया है। दरअसल, कुवैत में जन्में खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच बनाया गया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका ऐलान खुद किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। बता दें कि, 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे। महान स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम निर्णय के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। जमीन स्पेन के मनोलो मार्केज का स्थान लेंगे, जिन्होंने भारत के हालिया संघर्षों के बाद पिछले महीने एआईएफएफ से नाता तोड़ लिया था। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक ये पद संभाला था। वहीं खालिद जमील के लिए अपनी नई भूमिका में पहली चुनौती मध्य एशियाई फुटबॉल संघ नेशंस कप है। ये टूर्नामेंट 29 अगस्त से ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय टेबल टेनिस टीमों ने 2026 लंदन डब्ल्यूटीटीसी के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली/इंदौर (एजेंसी)। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने लंदन में होने वाली प्रतिष्ठित 2026 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने काठमांडू में आयोजित 2025 दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

एशियाई क्षेत्र से प्रत्येक वर्ग में केवल 16 कोटा स्थान उपलब्ध थे, जिसमें चार क्षेत्रीय चैंपियन (मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया) सीधे डब्ल्यूटीटीसी के लिए क्वालीफाई करते हैं। भारतीय टीमों ने अपने दमदार प्रदर्शन से दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अपनी सर्वोच्चता साबित की।

पुरुष टीम, जिसमें आकाश पाल, रोनित भंजा, अनिर्बान घोष, पी.बी. अभिनंद और दिव्यांश श्रीवास्तव शामिल थे, पांच देशों के राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में अपराजित रही। उन्होंने बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव को एक समान 3-0 के स्कोर से हराया, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और रणनीति को दर्शाता है।

इसी तरह, क्रितविका सिन्हा, सेलेनेदीप्ति सेल्वाकुमार, तनीशा कोटेचा, सायली वानी और सिंडरेला दास की महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हीं चार प्रतिद्वंद्वी टीमों को 3-0 से मात दी। उन्होंने क्वालिफिकेशन के दौरान एक भी मैच नहीं गंवाया।

टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को रोटेट करते हुए उभरती हुई प्रतिभाओं को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी दिया, जिससे टीम की बेंच स्ट्रेंथ और डब्ल्यूटीटीसी के लिए उनकी तैयारी का पता चलता है। लंदन 2026 में होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए भारत का समय से पहले क्वालिफाई करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह न केवल क्षेत्रीय वर्चस्व को दिखाता है, बल्कि इस बड़े इवेंट के लिए तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी प्रदान करता है, जहाँ वैश्विक रैंकिंग, ओलंपिक के निहितार्थ और राष्ट्रीय गौरव दांव पर होंगे।

करुण सबसे लंबे समय के बाद अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने

सिडनी । ओवल (ईएमएस)। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर का बल्ला आखिर चल ही गया। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती मैचों में विफल रहे करुण ने मेजबान टीम के खिलाफ यहां जारी अंतिम अंतिम क्रिकेट टेस्ट में दबाव के बीच ही नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम को संभाला। जब टीम के अन्य बल्लेबाज विफल हो रहे थे तो करुण ने एक छोर संभाले रखा और अपने पचास रन पूरे किये। करुण ने इस प्रकार 3149 दिनों के बाद 50 रन बनाये हैं। इससे पहले दिसंबर 2016 में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। ये टेस्ट मैचों में दो अर्धशतकों के बीच दूसरा सबसे लंबा अंतराल है। वहीं भारतीय बल्लेबाजों द्वारा दो टेस्ट अर्धशतकों के बीच सबसे लंबे अंतराल का रिकॉर्ड पूर्व क्रिकेटकीपर पार्थिव पटेल के नाम है। पार्थिव ने चौथा अर्धशतक साल अक्टूबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 और पांचवां अर्धशतक नवंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 67 के बीच सबसे लंबा अंतराल, 4426 दिन का है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वह करुण ने जहां 52 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम अपनी अपनी पारी में 6 विकेट पर 204 रन बनाने में सफल रही। करुण ने अपनी करियर की शुरुआत में भी इंग्लैंड के खिलाफ ही तिहरा शतक 303 रन बनाये थे। इसके बाद वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं होने के कारण टीम से बाहर हो गये थे। करुण इस सीरीज के शुरुआती तीन मैच में असफल रहे जबकि चौथे मैच में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

बुमराह को चुनिंदा मैच खेलने का पूरा अधिकार : भारत के सहायक कोच

लंदन (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में पांच में से तीन टेस्ट ही खेलने का निर्णय लिया और भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे के अनुसार टीम प्रबंधन को उनके कार्यभार को देखते हुए इस फैसले का सम्मान करना सही लगा। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला लेकिन एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉर्डस और ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्होंने खेला। निर्णायक पांचवें टेस्ट से पहले बुमराह पर फैसला लेने के लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने ऐन मौके तक इंतजार किया।

पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी को बाहर रखने का फैसला हमेशा कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'बुमराह का मसला पेचीदा है। हम चाहते थे कि वह खेले लेकिन उसके कार्यभार को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की।' डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए।'

ओवल की हरी भरी पिच पर बुमराह काफी उपयोगी साबित होते। क्या वह चोटों से भरे अतीत के कारण अपनी मर्जी से मैच चुन रहे हैं। यह पूछने पर डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। हमने स्थिति को संभालने की कोशिश की है, यह आदर्श नहीं है, मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें बताना जरूरी है कि हम सभी फैसले सद्भावना से टीम के सर्वोत्तम हित में ले रहे हैं और इसी वजह से जो खिलाड़ी नहीं खेले हैं, वे शानदार रहे हैं, उन्होंने पूरी टीम को प्रशिक्षित किया है, लेकिन जब उन्हें टीम से बाहर रखा जाता है तो वे निराश होते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थों का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीनगर कैंप से बीएसएफ का जवान हुआ लापता, पुलिस में गुमशुदगी दर्ज

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर कैंप से बीएसएफ का एक जवान लापता हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। जानकारी अनुसार लापता जवान की खोज में सुरक्षाबल और स्थानीय प्रशासन लगा रहा, लेकिन जब जवान का कोई सुराग नहीं मिला तो स्थानीय

पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी अनुसार, बीएसएफ के जवान सुगम चौधरी 31 जुलाई की शम को अपने बटालियन मुख्यालय, पंथाचौक से अचानक गायब हो गए। उनके लापता होने पर बीएसएफ की टीम ने तुरंत ही आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन जवान का कोई अता-पता नहीं मिला। इसके बाद ही बीएसएफ यूनिट ने स्थानीय पुलिस स्टेशन पंथाचौक में जवान के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट लिखे जाने के बाद पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से मामले की जांच करने में जुट गए हैं। लापता हुए जवान की तलाश के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बीएसाएफ से प्राप्त जानकारी अनुसार बीएसएफ की 60वीं बटालियन के जवान सुगम चौधरी 31 जुलाई की देर रात को बटालियन मुख्यालय पंथाचौक से लापता हुए हैं और उनकी तलाश में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिल सका है।

आपत्तिजनक पोस्ट से पुणे के यावत गांव में तनाव... पुलिस इलाके में मौजूद

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के यावत गाँव में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस का कहना है कि गाँव में एक हफ़्ते पहले एक घटना हुई थी, इसकारण यहाँ पहले से ही स्थिति तनावपूर्ण थी। ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवकों ने एक ढाँचे में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। लेकिन घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस इलाके में मौजूद है। पुलिस ने बताया कि यवत गाँव में दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक ने अपने व्हाट्सएप/फेसबुक पर एक आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट किया है। शिकायत के बाद लड़के को पुलिस स्टेशन लाया गया। कार्रवाई शुरू की गई। कुछ गाँव वाले भी वहाँ पहुँचे। हमारी पुलिस टीम ने गाँव में शांति बनाए रखने के लिए गाँव के प्रतिनिधियों के साथ बैठक शुरू की। लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर संदेश वायरल हो गया था। एक सप्ताह पहले गाँव में एक घटना हुई थी, इसलिए यहाँ स्थिति पहले से ही तनावपूर्ण थी इसलिए क्योंकि भावनाएँ पहले से ही बढ़ गई थीं, ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और कुछ युवाओं ने एक संरचना में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस प्रशासन ने यहाँ प्रतिक्रिया दी और गाँव में गश्त की। स्थिति अभी शांतिपूर्ण है।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इन उग्रवादियों का संबंध प्रतिबंधित संगठनों से है और इनके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों और उनके संगठनों में मोइरंगथेम बिरमानी मेइती, स्वयंभू सेना प्रमुख, कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगड्रेनखोम्बा), स्थान- बिष्णुपुर जिले के फुबाला पट्टन, गिरफ्तारी- बृहस्पतिवार को। केइशम विल्सन सिंह (18) और थोकचोम सनाथोई मेइती (22), सदस्य, कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल), स्थान- थौबल जिले का सलुंगफाम बाजार, आरोप- छोटे व्यवसायों से जबरन वसूली है और इनके पास से बरामदगी 9एमएम पिस्तौल, मैगजीन, तीन कारतूस हैं। तेलेम नाओबा सिंह (29) सक्रिय कार्यकर्ता, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रो), स्थान- इंफाल पूर्व जिले के खुरई चैरेनथोंग, गिरफ्तारी बृहस्पतिवार को और इनके पास से हथियारों और विस्फोटकों की बरामदगी हुई है। स्थान- चुराचांदपुर जिले के गेलजंग क्षेत्र से बरामदगी, एक एके राइफल, एक मैगजीन, तीन डेटोनेटर, दो रेडियो सेट, एक आईईडी कैप, तीन देसी मोर्टार हैं। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादी संगठनों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा बलों ने कई क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया है, जिससे आगे और भी गिरफ्तारियां संभव हैं।

गोरखपुर कलेक्ट्रेट में बवाल : वकील और मजदूरों में झड़प, पुलिस फोर्स तैनात

गोरखपुर (एजेंसी)। शुक्रवार सुबह गोरखपुर कलेक्ट्रेट परिसर हिंसा और हंगामे का गवाह बना, जब वकीलों और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के बीच तीखी झड़प हो गई। सुबह करीब 11 बजे हुई इस घटना ने देखते ही देखते बड़ा रूप ले लिया और अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया, टीनशेड तोड़ दिए और जेसीबी पर पत्थरबाजी भी की। जानकारी अनुसार विवाद उस समय शुरू हुआ जब कुछ वकील कलेक्ट्रेट भवन में प्रवेश करना चाह रहे थे। वकीलों का आरोप है कि निर्माण कार्य के चलते ठेकेदार के मजदूरों ने उन्हें अंदर जाने से रोका। विरोध करने पर मजदूरों ने बार एसोसिएशन के मंत्री सीपी मिश्रा के साथ मारपीट की, जिसमें उनके हाथ में चोट आई। घटना की सूचना मिलते ही एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और वकीलों को समझाने की कोशिश की। बात न बनने पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी, एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव और सीओ गोरखनाथ रवि सिंह सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कैंट, गोरखनाथ, शाहपुर और रामगढ़ताल थाने की पुलिस को तैनात किया गया। यहां बताते चलें कि कलेक्ट्रेट परिसर में भवन निर्माण कार्य चल रहा है और कई जगह बैरिकेडिंग की गई है। वकीलों का कहना है कि आने-जाने के लिए रास्ता नहीं छोड़ा गया, जिससे रोजाना असुविधा हो रही है। वे पहले से ही इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन शुक्रवार को विवाद हिंसक हो गया।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का हमला, राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं...

देश के सम्मान को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए

संसद के बाधित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी दलों को

बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर कार्यवाही बाधित करने और भारत विरोधी बयान देने का आरोप लगाकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं और उन्हें देश के सम्मान को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो भारत विरोधी हैं और यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय अर्थव्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता। रिजिजू ने दावा किया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भी राहुल गांधी के इन बयानों की निंदा की है। राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं, यह हर भारतीय का कर्तव्य है, और विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें समझना चाहिए कि देश विरोधी बयान देना और संसद को बाधित करना सही नहीं है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष पर हंगामा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांग पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई थी, जिसमें सभी दलों ने भाग लिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक बार जब एक विषय पर चर्चा समाप्त हो जाती है, तब विभिन्न दलों द्वारा नोटिस दिए जाते हैं, लेकिन बहस शुरू होते ही वे सदन के वेल में आ जाते हैं। रिजिजू ने विपक्ष पर सदन को चलने नहीं देने और फिर यह आरोप लगाने की निंदा की कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। उन्होंने फिर कहा कि कि संसद के बाधित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी दलों के सदस्यों को हो रहा है, क्योंकि वे लोगों की आवाज और सवाल नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के आशीर्वाद से और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से काम कर रही है।

एसआईआर पर चर्चा से इंकार

एसआईआर (सर्वोच्च न्यायालय की आंतरिक रिपोर्ट) पर बहस की विपक्ष की मांग के बारे में, रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार नियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि यह एक संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया है और यह पहली बार नहीं हो रहा है।

नौसेना के युद्धपोत पर पहुंचे महानायक... मुझे उन सैनिकों पर गर्व है जो हमारे लिए सब कुछ समर्पित कर देते

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सैनिकों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को फिर सलाम किया है। अमिताभ ने भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर एक दिन बिताने के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति प्रशंसा और गर्व व्यक्त किया। बिग बी ने पोस्ट कर लिखा.....'मेरे जीवन का अनुभव, नौसेना के युद्धपोत पर पूरा दिन बिताया... हमारी लड़ाकू सेनाओं के लिए गर्व और सम्मान। अमिताभ ने युद्धपोत पर बिताए दिन की तस्वीरें साझा कीं और सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की कहानियों का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ''हम सुनते हैं कि हमारे सैनिक हमारे लिए अपने प्राणों का बलिदान देते हैं। हम उनकी वीरता की कहानियां सुनते हैं, जिससे हम सुरक्षित हैं और चैन की नींद लेते हैं। महानायक ने कहा कि हम अपने घरों में आराम से रहते हैं, जबकि वे हमारी सुरक्षा और शांति के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। ''मैं आज एक सीख लेकर लौटा हूं। मुझे लगता है जैसे कोई अदृश्य शक्ति मुझे सेनाओं की उस सच्चाई के सामने ले गई, जो अक्सर अनदेखी कर दी जाती है। अमिताभ ने गर्व के साथ कहा कि मैं भारत का नागरिक हूं और मुझे उन सैनिकों पर गर्व है जो हमारे लिए सब कुछ समर्पित कर देते हैं। भारत माता की जय!

कांग्रेस नेता ने कहा- भगवा नहीं हिंदुओं को आतंकी कहिए, मचा बवाल

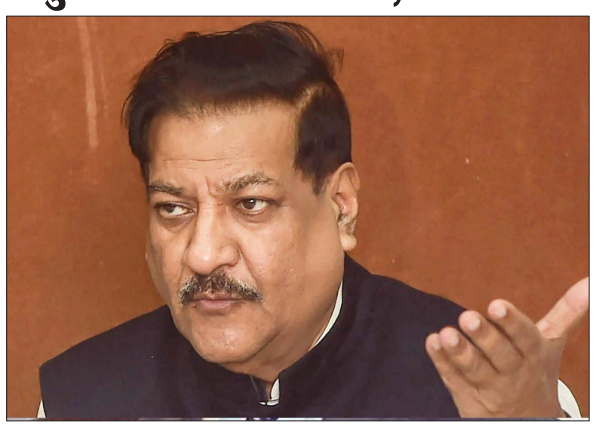

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम धमाके के सभी सात आरोपियों की अदालत से रिहाई के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग न करें। अगर करना ही है तो 'सनातनी आतंकी' या 'हिंदू आतंकी' कहें। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कहा कि असल में आतंकवाद का कोई धर्म या जाति नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस को जानबूझकर कमजोर किया गया और इसकी निष्पक्ष जांच नहीं हुई। चव्हाण ने कहा, मालेगांव में विस्फोट तो किसी ने किया ही था। मुझे पहले से ही अंदेशा था कि इस केस का यही नतीजा होगा, क्योंकि यह मामला यूपीए सरकार के समय शुरू हुआ था और फिर बीजेपी सत्ता में आ गई। एनआईए ने इस केस को कमजोर किया। एनआईए किसके नेतृत्व में काम कर रही है?चव्हाण ने आतंकवाद से जुड़े मामलों में जवाबदेही की कमी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, अगर जिन लोगों को बरी किया गया है उन्होंने धमाका नहीं किया, तो फिर किया किसने? यही हाल ट्रेन ब्लास्ट केस में भी हुआ। उन लोगों के परिवारों को क्या जवाब देंगे जिन्होंने अपने परिजन खोए?इस दौरान चव्हाण ने भगवा आतंकवाद शब्द के उपयोग पर भी टिप्पणी की। उनकी इस टिप्पणी से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों ने चव्हाण पर सांप्रदायिक भावना भड़काने का आरोप लगाया है।29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में हुए बम विस्फोट में 6 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। मामले की जांच में कई बार मोड़ आए और मुकदमा 17 साल तक चला। अंततः सभी सातों आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

ऑपरेशन महादेव: एक लाहौर से, दूसरा पीओके से... हमलावरों की पाकिस्तानी आईडी सामने आई

और कितने सबूत चाहिए विपक्षी दलों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन महादेव के तहत हुई मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है, और उनकी पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के रूप में हुई है। 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 बेकासूर लोग मारे गए थे, जिससे पूरे देश में आक्रोश था। अब सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव' के तहत लिदवास इलाके में हुई एक मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया।

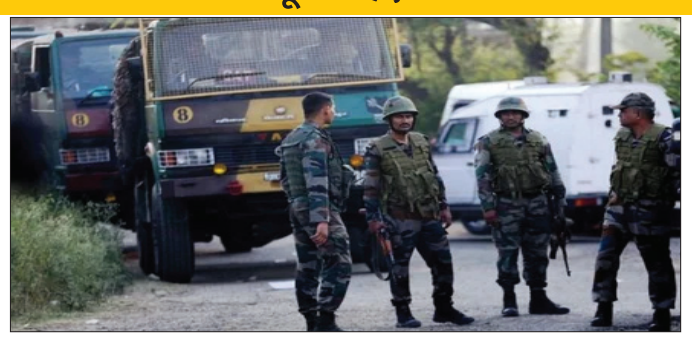

मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के रूप में हुई है। इसमें से एक आंतकी लाहौर का निवासी था, जबकि दूसरा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से था। तीसरे की भी पाकिस्तानी नागरिकता की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तानी आईडी और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ट्रेनिंग वीडियो आतंकियों के पास से बरामद हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि ये तीनों आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय सदस्य थे और पिछले तीन महीनों से भारत में छिपे हुए थे। सुरक्षा बलों द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ मददगारों ने इनकी पहचान सुलेमान, अफगानी और जिबरान के रूप में की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद मिशन की निगरानी की। उन्होंने चंडीगढ़ फोरेंसिक लैब से अंतिम रिपोर्ट आने तक सोमवार की पूरी रात जागकर वैज्ञानिकों से फोन और वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने लोकसभा में बताया कि छह वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि मुठभेड़ में बरामद हथियार वहीं हैं जिससे पहलगाम में हमारे बेकासूर भाईयों पर गोलियां चली थीं।

मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के पास से एक एम9 और दो एके-47 राइफलें बरामद हुई। इन हथियारों को खास विमान से श्रीनगर से चंडीगढ़ फोरेंसिक लैब लाया गया। अहमदाबाद से एक विशेष मशीन मंगाई गई, जो बुलेट केसिंग मिलान के लिए जरूरी थी। चंडीगढ़ लैब में टेस्ट फायरिंग की गई, जिसमें गोली के खोल बैसरन घाटी से मिले सबूतों से 99 प्रतिशत मेल खाते निकले। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण था कि मारे गए आतंकी ही पहलगाम हमले के दोषी थे।

बात दें कि पहलगाम हमले के तुरंत बाद शाह खुद कश्मीर गए और स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आतंकी पाकिस्तान वापस न लौट सके। सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 8 किलोमीटर लंबे संभावित भागने वाले रास्ते को चिन्हित कर कड़ी सुरक्षा में लिया। सुरंगों को खोजकर बंद किया गया ताकि आतंकी भाग न सकें। इन सख्त उपायों के कारण तीनों आतंकी तीन महीने तक छिपे रहे, और उन्हें इस दौरान कोई और हमला करने या भागने का मौका नहीं मिला। उनकी मुठभेड़ में मौत के बाद यह भी साफ हो गया कि उनके हथियारों से आखिरी बार बैसरन में ही गोली चली थी।

उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव नौ सितंबर को होगा : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नौ सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आयोग के अनुसार उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना सात अगस्त को जारी होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। आयोग ने कहा कि यदि मतदान की जरूरत हुई तो यह नौ सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर स्थित कक्ष संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। उपराष्ट्रपति पद 21 जुलाई को निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हो गया था। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राज्यसभा महासचिव को निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा सचिवालय के दो अधिकारियों को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र होते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 सदस्य शामिल होते हैं।

मालेगांव विस्फोट मामले में मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का दबाव था

महाराष्ट्र एटीएस के पूर्व अधिकारी का दावा- मैंने आदेश का नहीं किया पालन

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट मामले की जांच करने वाले महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते के एक पूर्व पुलिस अधिकारी ने दावा किया है कि उन पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का दबाव था। इस मामले में बीजेपी की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात आरोपियों को बरी करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र एटीएस के रिटायर्ड इन्सपेक्टर महबूब मुजावर ने कहा कि भागवत को गिरफ्तार करने के आदेश का उद्देश्य 'भगवा आतंकवाद' को स्थापित करना था।

उन्होंने सोलापुर में कहा कि कोर्ट के फैसले ने एटीएस के फर्जीवाड़े को नकार दिया है। शुरू में एटीएस ने मामले की जांच की थी, लेकिन बाद में इसे एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। मुजावर ने एक वरिष्ठ अधिकारी का नाम लेते हुए कहा कि इस फैसले ने एक फर्जी अधिकारी द्वारा की गई फर्जी जांच को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए विस्फोट की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा थे, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हुए थे।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें मोहन भागवत को 'गिरफ्तार' के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि एटीएस ने उस समय क्या जांच की और क्यों... लेकिन मुझे राम कलसांगरा, संदीप डांगे, दिलीप पाटीदार और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बारे में कुछ गोपनीय आदेश दिए गए थे। ये सभी आदेश ऐसे नहीं थे कि उनका पालन किया जा सके। मुजावर ने कहा कि दरअसल उन्होंने उनका पालन नहीं किया क्योंकि उन्हें हकीकत पता थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोहन भागवत को पकड़ना मेरी क्षमता से परे था। मैंने आदेशों का पालन नहीं किया, इसलिए मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया और इसने मेरे 40 साल के करियर को बर्बाद कर दिया। मुजावर ने कहा कि उनके पास अपने दावों के समर्थन के सबूत हैं। उन्होंने कहा कि कोई भगवा आतंकवाद नहीं था। सब कुछ फर्जी था।

स्कूल के पानी के टैंक में जहर मिलाने पर भड़के सीएम सिद्धारमैया, बताया आतंकवादी कृत्य

बैंगलोर (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शिवमोगा जिले में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पानी के टैंकों को शरारती तत्वों द्वारा कीटनाशक से दूषित करने और चार बच्चों के बीमार पड़ने की चौंकाने वाली घटना पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आतंकवादी कृत्य बताया। यह घटना गुरुवार को शिवमोगा जिले के होसानगरा तालुक के हुविनाकोण गाँव की है। सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने उस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है जिसमें बदमाशों ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पीने के पानी के टैंक में कथित तौर पर कीटनाशक मिला दिया था। मेरे विचार से, मासूम बच्चों की सामूहिक मौत के इरादे से किया गया यह जघन्य कृत्य किसी आतंकवादी हमले से कम नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय के रसोइया कर्मचारियों की सतर्कता की बदौलत एक बड़ा हादसा टल गया। मैं समय पर हस्तक्षेप करने के लिए रसोई कर्मचारियों की सराहना करता हूँ। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को मामले की गहन जाँच करने, इस कृत्य के दोषियों की पहचान करने और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दिलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिस मानसिकता के कारण कोई व्यक्ति पीने के पानी में ज़हर मिलाता है, वह हमारे समाज में मानवता के नैतिक पतन को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि सभी को इस पर गहराई से विचार करना चाहिए।÷ गुरुवार को, सरकारी स्कूल में दो पानी की टंकियाँ दूषित पाई गईं, जिनमें से एक में कीटनाशक की मात्रा बहुत ज़्यादा थी। यह मामला तब सामने आया जब कुछ छात्रों ने दूसरे टैंक के पानी से हाथ धोते समय दुर्गंध महसूस की। कुछ असामान्य महसूस होने पर, उन्होंने शिक्षकों को सूचित किया। कथित तौर पर दूषित पानी से हाथ धोने वाले चार बच्चे बीमार पड़ गए। उन्हें होसानगर अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। तहसीलदार रश्मि हलेश अन्य अधिकारियों के साथ स्कूल पहुँचीं और मौके पर जाकर निरीक्षण किया।

अभी नहीं रुकेगी बारिश, अगस्त-सितंबर में भी लोगों को नहीं मिलेगी राहत

-इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी जैसे इलाकों में इस साल अच्छी बारिश हुई है। गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के तमाम इलाकों में जोरदार बारिश हुई है। कई मोहल्ले और सोसायटियों में तो लगातार पानी भरने की शिकायतें आती रहती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त में सामान्य बारिश होगी। इसके अलावा सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। दो महीने में 106 फीसदी बारिश होगी, जो सामान्य से 6 फीसदी ज्यादा है। ऐसा देश के सभी हिस्सों में नहीं होगा। इस साल यूपी, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड में अच्छी बारिश होगी। पूर्वी भारत, मध्य भारत और पश्चिमी भारत के ज्यादातर राज्यों में बारिश सामान्य से कम होगी। इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है।

आमतौर पर उत्तर बिहार में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ब्लॉक स्तर पर भी बारिश का अनुमान जताया है। पूरे देश के 7,200 ब्लॉकों का मौसम कैसा रहेगा, कब बारिश होगी और कब आसमान साफ रहेगा इसकी जानकारी ब्लॉक-वाइज रेनफॉल मॉनिटरिंग स्कीम के जरिए की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि इसके जरिए रियलटाइम जानकारी मिलेगी। अब तक मौसम विभाग की ओर से जिलावार जानकारी दी जाती थी। माना जा रहा है कि अब मौसम विभाग का अनुमान सटीक हो सकेगा।

आमतौर पर जिला स्तर के अनुमान में किसी एक हिस्से में बारिश होती थी और कहीं नहीं होती थी। इसे लोग मौसम विभाग के अनुमान से जोड़ते थे कि वह गलत साबित हुआ। अब ब्लॉक लेवल पर अनुमान लगाया जाएगा। मौसम विभाग ने जून और जुलाई की मॉनसून बारिश का भी आंकड़ा दिया है। मौसम विभाग ने कहा कि जून और जुलाई में ज्यादातर राज्यों में सरप्लस बारिश हुई, लेकिन मध्य, पश्चिम और पूर्वी भारत के कई राज्यों में अनुमान से कम बारिश हुई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)